।। श्री हरि शरणम् ।।

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN/2012/43555

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

रायसेन, बुधवार, 02 अप्रैल 2025 • वर्ष - 12 • अंक - 274 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

चतुर्थ दिवस :
मां कूष्मांडा देवी

सुरासंपूर्णकलशं
रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां
कूष्मांडा शुभदास्तु मे ॥

संक्षिप्त समाचार

नए भाजपा अध्यक्ष का ऐलान इसी महीने होगा, मंथन शुरु

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष के नाम को लेकर एक बार फिर मंथन का दौर शुरू हो गया है. भाजपा

जल्द ही अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है. मौजूदा संसद सत्र के बाद बीजेपी संगठन चुनाव प्रक्रिया तेज होगी. पहले प्रदेश अध्यक्षों के नाम की घोषणा होगी. इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा. सूत्रों के अनुसार भाजपा को अप्रैल के दूसरे हफ्ते के बाद नए अध्यक्ष मिलने की उम्मीद है. 4 अप्रैल को सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद चुनाव की प्रक्रिया तेज हो जाएगी.

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा चाहता है केंद्र : रिजिजू

नई दिल्ली। देशभर में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री

किरेन रिजिजू ने इस विधेयक पर सभी पार्टियों के साथ चर्चा करने की बात पर जोर दिया। मंगलवार को उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बुधवार को लोकसभा में चर्चा चाहती है। बता दें कि इस विधेयक को बुधवार को प्रश्नकाल के बाद लोकसभा में पेश किया जाएगा। रिजिजू ने बताया कि लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में इस पर चर्चा के लिए आठ घंटे का समय तय किया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही रिजिजू ने कहा कि हम वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा चाहते है। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है, और देश यह जानना चाहता है कि किस दल का इस विधेयक पर क्या रुख है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर विपक्ष चर्चा में हिस्सा नहीं लेना चाहता, तो वे उन्हें रोक नहीं सकते।

व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे भारत और चिली

नई दिल्ली। भारत और चिली ने तय किया है कि दोनों देश व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। चिली के

राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को चिली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से कई अहम मुद्दों पर बात हुई। बोरिक पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। अपने इस दौरे में वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संभावनाओं को तलाशेंगे, जिनमें व्यापार और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं। दोनों देशों के बीच शीर्ष नेतृत्व स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हमारी टीमों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बातचीत की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

अंतर्मना उवाच

अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा मंगल पदविहार

जब सहन करने की शक्ति ख़त्म हो जाती है.. तब क्रोध का गुवार फूट पड़ता है..!

*यदि रास्ते में दो आदमी लड़ झगड़ रहे हों और आप कितने ही जरूरी काम से जा रहे हैं, तो भी आपका मन खड़े होकर सुनने और देखने का करता है। **क्यों..?** दो व्यक्तियों के वाद विवाद को देखकर, तुम्हारे भीतर जो क्रोध का वेग दबा है वह जाग्रत हो जाता है। क्योंकि **जो क्रोध का वेग हमने अपने भीतर दबा कर रखा है, उसे निकलने का मौका मिल जाता है और ना मिले तो हम व्यक्तिगत उस वेग को निकालने की कोशिश करते हैं।** इसलिए घर परिवार में बात-बात पर लड़ाई झगड़े हो जाते हैं। **सब भीतर से भरे बैठे हैं, सिर्फ आप उनको एक मौका दो भीतर भरे गुवार को निकालने का।***

*जब तक मनुष्य के मन में क्रोध, कषाय, मान, अहंकार, विषय वासना दबी है या भरी है,, तब तक मनुष्य के मन में अमन चैन नहीं आ सकता। दरअसल **आज का आदमी भीतर से कुण्ठित होता जा रहा है।** अपने मन की इच्छाओं को दमित करते जा रहा है। यही वजह है कि वह अपनी विकृतियों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। ना सुख, ना शांति, ना आनंद का जीवन जी पा रहा है।*

आदमी सिर्फ आदतन जिंदगी जी रहा है,, इसके अलावा कुछ नहीं...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

सीहोर जिले का माता महल मंदिर: चुड़ैलों को खत्म करने पत्थरों के शेषनाग के नीचे विराजी हैं मां

सीहोर ■ प्रतिनिधि

सीहोर जिले के खारी गांव में माता महल मंदिर भक्तों की विशेष आस्था का केंद्र है। यह मंदिर विंध्याचल पर्वत श्रृंखला में सागौन के जंगल के बीच पहाड़ी पर है। यहां माता की ढाई फीट की प्रतिमा है।

मंदिर के पुजारी दुर्गा दास बाबा का दावा है कि करीब 400 साल पहले पहले इस क्षेत्र में चुड़ैलों का वास था। इस जगह को पहले चुड़ैल महल कहा जाता था। घने जंगल में होने के कारण ग्रामीण यहां जाने से डरते थे। उन्हें खत्म करने के लिए माता प्रकट हुई हैं। करीब 50 साल पहले यहां नई प्रतिमा विराजित की गई है। माता के प्रकट होने के बाद ये माता महल के नाम से प्रचलित हुआ। मंदिर पहुंचने के लिए पहले सीहोर जिले के पर्यटन गांव खारी पहुंचना होगा। सीहोर से बिलकिसगंज और भोपाल से बड़झिरी होकर खारी पहुंच सकते हैं। मंदिर खारी से करीब तीन किमी दूर पहाड़ पर है। यहां दो पहिया और चार पहिया वाहन आसानी पहुंच जाते हैं। ज्यादातर लोग अपने चार पहिया वाहन को पहाड़ी को नीचे खड़ा कर पहाड़ पर रातापानी के जंगल से होते हुए करीब एक किमी पैदल ट्रैकिंग कर मंदिर पहुंचते हैं। ये क्षेत्र रातापानी बफर जोन से लगा हुआ है। मंदिर के पत्थरों पर आदिमानवों के शैलचित्र मौजूद हैं। हर साल 1 जनवरी को यहां विशेष मेला लगता है, जिसमें बिलकिसगंज, सीहोर, मंडीदीप व इछावर क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु आते हैं।

मंदिर पहुंचने के लिए 3 किलोमीटर के कठिन रास्ते से जाना पड़ता है। ये रास्ता सागौन के

घने जंगल से होकर गुजरता है जो कि रातापानी के बफर जोन से लगा हुआ है। रास्ते में कई जगह खड़ी चढ़ाई है। बरसात के मौसम में कार से मंदिर तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

इस जंगल में बाघ का मूवमेंट भी बना रहता है। यहां के जंगल में वन विभाग की ओर से लगाए गए ट्रैप कैमरों में अक्सर ही बाघ कैप्चर होता है। ग्रामीणों की मान्यता है कि पहाड़ी पर माता का वास होने के चलते यहां बाघ देखा जाता है। मंदिर से करीब चार किलोमीटर दूर झिरी वाटरफॉल है। यहां 60 फीट ऊंचा झरना है। बारिश के दिनों में यहां काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। टूरिस्ट विलेज खारी आने वाले पर्यटक यहां जरूर आते हैं।

बताया जाता है कि मंदिर पर हर साल 1 जनवरी को बड़ा मेला लगता है। यहां हजारों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग पहुंचते हैं। मेलें में 24 घंटे प्रसाद बांटा जाता है। झूले व सहित कई प्रकार की दुकानें लगती हैं। प्रतियोगिता भी की जाती हैं। मेले की तैयारी दिसंबर से शुरू हो जाती है।

नाग देवता के पांच फनों के नीचे मौजूद है माता का मंदिर

खारी गांव में रहने वाले श्रद्धालु अर्जुन सिंह बताते हैं कि यहां पहाड़ में सांप के फन के जैसे दिखने वाली पत्थर की पांच आकृतियां हैं। इन्हें क्षेत्र के लोग शेष नाग का फन मानते हैं। इसके नीचे माता विराजमान हैं। पत्थरों पर प्राचीन शैलचित्र बने हुए हैं। पत्थर के एक फन के नीचे शिवलिंग है। दूसरे के नीचे माता रानी की प्रतिमा है। बाकी तीन में से एक में पुजारी रहते हैं। एक में उनकी अस्थाई किचन उनका सामान रखा है। मंदिर के पास ही ब्रह्मफांस नाम का पर्यटक स्थल है। यहां पत्थरों में छेद बने हुए हैं। इन छेदों में से लोग एक ओर से दूसरी ओर गुजरते हैं। पहले इसका उपयोग शिकार के लिए किया जाता था।

गुजरात के बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

हादसे में 20 मजदूरों की मौत, मरने वालों में 8 हरदा व 6 देवास के थे

गुजरात ■ एजेंसी

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग हादसे में 20 श्रमिकों की मौत हो गई है। हादसे में मृतक श्रमिकों में सभी मध्य प्रदेश के मजदूर बताए जा रहे है। इसमें हरदा जिले के हंडिया के रहने वाले आठ और छह देवास के मजूदरों की पहचान हुई है। मृतकों में बाकी छह लोगों की अभी पहचान होना बाकी है। हरदा जिला प्रशासन ने एडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस की एक टीम को हरदा से बनासकांठा रवाना कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से मध्यप्रदेश निवासी श्रमिकों के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से असमय दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

बता दें मंगलवार को बनासकांठा जिले के डीसा औद्योगिक क्षेत्र में पटाखा बनाने की फैक्ट्री में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। यहां सिलसिलेवार विस्फोट होने से फैक्ट्री के कुछ हिस्से ढह जाने से अंदर कुछ श्रमिक फंस गए। इस हादसे में 20 मजदूरो की मौत की जानकारी है। वहीं, जानकारी के अनुसार हादसे वाली जगह सिर्फ भंडारण की अनुमति थी, लेकिन उसकी आड़ में गोदाम की जगह पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट को दुखद बताते हुए गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस घटना में मध्य प्रदेश के कई मजदूर शामिल थे, जो दो दिन पहले ही रोजगार की तलाश में वहां पहुंचे थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। उमंग सिंघार ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि रोज रोजगार का दावा करने वाली सरकार इतनी अक्षम हो चुकी है कि मजदूरों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया, मुआवजा देने की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के बनासकांठा में एक फैक्टरी में हुए धमाके में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, गुजरात के बनासकांठा में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ है। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

विस्फोट में जान गंवाने वाले मजदूर

राकेशभाई पिता सत्यनारायण नायक-हंडिया, सुरेशभाई अमरसिंह नायक-हंडिया, विजयभाई नायक-हंडिया, विष्णुभाई सत्यनारायणभाई नायक-हंडिया, धनराजभाई संतोषभाई नायक-हंडिया, दलिबेन पत्नी राकेशभाई नायक, पग पिता अवशेशो, किरेनबेन बेटी राकेशभाई नायक, लखन नी मोती बेन बेटी गंगारामभाई नायक, लखनभाई गंगारामभाई नायक, सिधलपुर लखन नी माता पत्नी गंगारामभाई नायक, लखनभाई पत्नी गंगारामभाई लखन नी नानी बेन बेटी गंगारामभाई नायक, अवशेशो लाखन नो भाई गंगारामभाई नायक, हड (मथु) मेहुलभाई शंकरभाई लुहार, गुड्डीबाई बेटी अमरसिंग नायक।

सीएम की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मध्यप्रदेश में फिर शुरु होगी परिवहन सेवा : मुख्यमंत्री

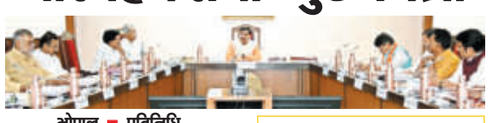

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवायें उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रैफिक एवं मार्ग सर्व तथा बसों की फ्रीक्वेन्सी निर्धारित करते हुये एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है।

यात्री परिवहन सेवा की प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड 20 लाख रुपये की अशंपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत SPVs गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों को 7 संभागीय कंपनियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात कंपनियों के एकीकृत नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन जायेगा। साथ ही त्रि-स्तरीय संरचना के तहत दायित्व निर्वहन और सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों में राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के 51 प्रतिशत शेयर बहुसंख्यक आधार पर निवेश करने एवं सात सहायक कंपनियों के बोर्ड और उसके आर्टीकल ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति, रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद करते हुए नवीन क्षेत्रीय कंपनी गठित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इन क्षेत्रीय सहायक कंपनियों का गठन, संबंधित संभागीय मुख्यालयों में स्थित सिटी बस ट्रांसपोर्ट की वर्तमान कंपनी में संशोधन कर, निर्मित करने की स्वीकृति दी गई। जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

छतरपुर में माता बम्बरबैनी प्राचीन मंदिर स्थल पवित्र क्षेत्र घोषित

मंत्रि-परिषद द्वारा छतरपुर जिले के ग्राम लवकुशनगर में माता बम्बरबैनी प्राचीन स्थल मंदिर खसरा नं. 2157 रकवा 0.012 हेक्टेयर एवं खसरा नं 2158 रकवा 30.375 हेक्टेयर पहाड़ क्षेत्र को पवित्र क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया

सीएम राइज स्कूल अब सांदीपनि विद्यालय होंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइकिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अरेरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पियन) में आयोजित 'स्कूल चलें हम' राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखी।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में के.जी.-2 में प्रवेश लेने वाली नन्ही बालिकाओं को माला पहनाकर उनके विद्यालय में प्रवेश की औपचारिकता पूर्ण करवाई। उन्होंने नव प्रवेशी बालिकाओं को उपहार दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मान प्रदान किया।

पुलिस से गुहार, साहब, मुझे मेरी पत्नी से बचा लो

ग्वालियर। ग्वालियर नगर निगम के कर्मचारी ने मंगलवार को जनसुनवाई में एसएसपी से मदद की गुहार लगाई है। कर्मचारी ने पत्नी पर अन्य किसी युवक से प्रेम संबंध होने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि पत्नी उसे मेरठ के सौरभ की तरह प्लास्टिक के ड्रम में मारकर सीमेंट में चुनवा देने की धमकी देती है। कहती है, किसी को पता भी नहीं चलेगा, तू कहां चला गया। पीड़ित ने 15 साल पहले परिवार से लड़कर लव मैरिज की थी। महिला की पहले पति से दो बेटियों को भी अपनाया था। लेकिन कुछ समय से यह एक अन्य लड़के के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही है।

उद्योगपतियों को 42 करोड़ से लेकर 456 करोड़ तक की सब्सिडी की राशि ट्रांसफर की

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि बड़ा हो या छोटा, निवेशक सिर्फ निवेशक है। हमने यही भावना रखी है। लार्ज इंडस्ट्री और एमएसएमई को डीबीटी के जरिए प्रोत्साहन राशि (सब्सिडी) ट्रांसफर करने के बाद सीएम यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने गरीबों का पैसा डीबीटी से सीधे उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया है। एक साल में 5260 करोड़ रुपए दिए हैं। इसके पहले की भी सब्सिडी राशि भी गई है। निवेशक के हक का पैसा सीधे खाते में आना चाहिए। इसका काम हमारी सरकार ने किया है। इस साल उद्योगों के लिए डेढ़ गुना बजट बढ़ाया गया है। निवेश सेक्टर में गति लाने के लिए जरूरत के आधार पर और बजट बढ़ाया जाएगा। सीएम यादव ने कहा आईटी का बड़ा सेक्टर इंदौर में है। इसलिए इंदौर में 27 अप्रेल को आईटी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने वाले हैं। माइनिंग सेक्टर कटनी और सिंगरौली का है, इसलिए यहां जिला स्तर पर भी कॉन्क्लेव करने का काम हर माह किया जाएगा। यही स्थिति अन्य जिलों में भी रहेगी। संभाग की सारी इंडस्ट्री में भूमिपूजन करने का फैसला किया गया है। चंबल संभाग में 18 भूमिपूजन कर चुके हैं। इसके बाद उज्जैन में 27 इंडस्ट्री का भूमिपूजन और लोकार्पण कर चुके हैं। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से बिजनेस को सरल करने का काम किया गया है। निवेशक, उद्योगपति और अच्छा प्लान बनाएं। सीएम ने कहा कि आज डीबीटी के जरिए उद्योगपतियों को 42 करोड़ से लेकर 456 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी की राशि ट्रांसफर की गई है।

बस्तियों का दौरा कर स्वच्छता अभियान में भाग लें पार्टी पदाधिकारी : हितानंद

हर्षोल्लास से मनाएं भाजपा का स्थापना दिवस

अंबेडकर जयंती की तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के व्हाट्सअप और लाभार्थी प्रमुख 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को जोड़ें। कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। मंडल समितयों में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाने के लिए विशेष तैयारियां करें और अपने निवास और पार्टी कार्यालय पर पार्टी का ध्वज लगाकर पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं। कार्यालय की सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बांटें। सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर ''हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत'' के साथ पोस्ट करें। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया। हितानंद ने कहा कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें।

भारत का रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ तक पहुंचा, राजनाथ बोले- 2029 तक 50,000 करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बताया कि भारत का रक्षा निर्यात 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये (लगभग 2.76 बिलियन

अमेरिकी डॉलर) के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर तक पहुंच गए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.04 प्रतिशत अधिक है। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि देश 2029 तक रक्षा निर्यात के 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार है। बता दें कि 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात का आकड़ा 21,083 करोड़ रुपये था। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत 2029 तक रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पक्षों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी। मामले में रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) ने 2024-25 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता और देश के रक्षा उद्योग की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइकों में आमने-सामने से टक्कर, हादसे में पिता और बेटे को मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दौरान हादसे में पिता और बेटे को मौत हो गई। मध्यप्रदेश में ग्वालियर जिले के डबरा देहात के पिछोर क्षेत्र में सड़क पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में 16 साल के किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। दरअसल, मंगलवार की सुबह कैथोदा निवासी कल्याण सिंह अपनी बाइक से पिछोर जा रहे थे। उसी समय 16 वर्षीय रोहित पिछोर से गांव की ओर लौट रहा था। दोनों बाइक तेज स्पीड में थी और अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस और पिछोर पुलिस को सूचना दी। दोनों को डबरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सतना के बाद जबलपुर के सराफा व्यापारी से ठगी

जबलपुर। सतना के 5 सराफा व्यापारियों से लाखों रुपए की ठगी करने के बाद जबलपुर पहुंचे तीन ठगों को रांझी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी बदमाश यूपी के मथुरा और नोएडा के रहने वाले है। गिरोह में दो युवक और एक महिला शामिल है। ठग 27 मार्च को सतना के पांच व्यापारियों को नकली जेवरात देकर करीब साढ़े सात लाख रुपए के असली जेवर लेकर फरार हो गए थे। इसके बाद सतना से मैहर, कटनी होते हुए ये तीनों ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर जबलपुर के रांझी पहुंचे। यहां भी एक सराफा कारोबारियों को निशाना बनाने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही रांझी सीएसपी के साथ मौजूद पुलिस टीम ने एक महिला सहित तीन ठगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्त में आए ठगों को का नाम जगदीश गौतम, संदीप गौतम निवासी मथुरा और अल्का शर्मा निवासी नोएडा है। पूछताछ में पता चला कि कुछ दिनों पहले इन लोगों ने शहर के लार्डगंज थाना अंतर्गत एक सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी।

विधवा ने बेटी की शादी में कलेक्टर को दिया न्योता

सीहोर। सीहोर में एक विधवा महिला को जनसुनवाई से मिली मदद से उनकी बेटी की शादी का रास्ता साफ हो गया है। रफीकगंज की रहने वाली रामकुंवर मालवीय ने मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर और पूरी टीम को अपनी बेटी की शादी का न्योता दिया। रामकुंवर मालवीय के पति रामगोपाल मालवीय, लोक निर्माण विभाग सीहोर में अकुशल कर्मी के रूप में कार्यरत थे। 7 जून को उनके असमय निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट में आ गया। रामकुंवर को उनके पति के एनपीएस खाते की 3.68 लाख रुपए की राशि नहीं मिल रही थी, जिससे उनकी बेटी की शादी अधर में लटक गई थी। समस्या के समाधान के लिए रामकुंवर ने 4 मार्च को जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर बालागुरू और जिला पंचायत सीईओ नेहा जैन ने मामले को गंभीरता से लिया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता के चलते 25 मार्च को रामकुंवर के खाते में 3.68 लाख रुपये की राशि जमा कर दी गई। इससे राहत महसूस करते हुए उन्होंने कलेक्टर और प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी बेटी की शादी में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

पहले दिन उत्साहित दिखे बच्चे

तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर विद्यार्थियों का किया स्वागत

सीहोर ■ निसं

शिक्षा ही व्यक्ति को साहसी, सशक्त और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाती है। शिक्षित व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है। शिक्षा की शक्ति के आगे सब कमजोर हैं। विद्या एक ऐसा धन है, जिसे कोई छीन नहीं सकता है और ज्ञान ही है, जो बांटने से बढ़ता है।

प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले में स्कूल चले हम अभियान एक अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। इस अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम सीहोर स्थित शासकीय सीएम राइज मनुबेन स्कूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अक्ष्यक्ष प्रिंस राठौर तथा भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र की उन्नति तभी हो सकती है, जब उसके नागरिक शिक्षित और संस्कारवान हों। राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षित और संस्कारवान बनाने में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यालयों में बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ जरूर पड़ाना चाहिए।

गणवेश एवं पुस्तकें प्रदान कर इस अभियान का शुभारंभ किया

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, कलेक्टर बालागुरु के, जिला शिक्षा अधिकारी सतेंद्र सिंह तोमर तथा डीपीसी रमेश राम उइके, प्राचार्य दीप सिंह राठौर सहित अनेक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर तथा गणवेश एवं पुस्तकें प्रदान कर इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पर्षद दिलीप राठौर, सुदीप प्रजापति भी उपस्थित थे।

देश, समाज और स्वयं की उन्नति का मार्ग केवल शिक्षा ही है। शिक्षा समाज की रीढ़ है। शिक्षा के बिना मनुष्य, बिना बुनियाद की इमारत की तरह होता है। व्यक्तित्व, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण के लिए केवल शिक्षा ही एक मात्र माध्यम है। यह बात कलेक्टर बालागुरु के ने सीएम राइज मुनबेन स्कूल में स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। कलेक्टर बालागुरु के ने कहा कि शिक्षा हमें लक्ष्य निर्धारित करने, सफलता प्राप्त करने और चुनौतियों से सामना करके आगे बढ़ने के लिए प्ररित और पारंगत करती है। आत्मविश्वास विकसित करने में भी शिक्षा का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को साहसी, सशक्त और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाती है। शिक्षित व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है, शिक्षा की शक्ति के आगे सब कमजोर हैं। विद्या एक ऐसा धन है, जिसे कोई छीन नहीं सकता है और ज्ञान ही है जो बांटने से तेजी से बढ़ता है।

कलेक्टर बालागुरु के ने अपने स्कूली समय के अनुभव को साझा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सही दिशा में कठिन परिश्रम करें तो प्रतिकूल परिस्थितियां भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकतीं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार हर वर्ग के लिए शिक्षा के अवसर और संसाधन उपलब्ध करा रही है। अब विद्यार्थियों को केवल परिश्रम करना है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु का सर्वोच्च स्थान है। शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से समर्पित भाव से पढ़ाने के लिए कहा।

शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनेरा में हुआ प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

माखननगर ■ निसं

पहले अप्रैल को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनेरा मैं नवीन शत्र के लिए छात्रों का प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच संघ अध्यक्ष कृष्ण कुमार झा,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लालचंद यादव ने प्राभारी प्राचार्य हीरामणि वर्मा सहित समस्त स्टाफ की मौजूदगी में छात्रों का स्वागत कर शाला में प्रवेश कराया । इस अवसर पर श्री झा ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी ।

सुनील टोलीवाल हुए सम्मानित

खंडवा। पर्यावरण संरक्षण जिला समिति खंडवा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर कल्याण गंज में हरित सम्मेलन आयोजित कर जिले की पर्यावरण पर कार्य कर रहीं कई प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया । मूक निरीह पशु- पक्षीयों को प्रतिदिन भोजन पानी कराना जिनकी दिनचर्या का प्रमुख कार्य है, ऐसे विशिष्ट कार्य के लिए खंडवा जिले से सुनील टोलीवाल को नगर निगम आयुक्त प्रियंका राजावत ने सम्मानित किया ।कार्यक्रम का संचालन बी डी सनखेरे और रिंकू राठौड़ ने किया तथा आभार विमल चंद अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया ।

24 घंटे में लूट का पर्दाफाश, कुरई पुलिस ने 24 लाख के गहनों की लूट सुलझाई

सिवनी ■ निसं

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में कुरई पुलिस ने लूट का खुलासा किया है। 24 घंटे के अंदर लूट के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, छिंदवाड़ा जिले में उड़ीसा का फरार गांजा तस्कर गिरफ्तार हुआ है। सिवनी में थाना कुरई पुलिस ने शानदार कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर 24 लाख रुपये की लूट का खुलासा कर दिया। आभूषण व्यापारी से लूटे गए सोने-चांदी के गहने बरामद कर लिए गए हैं, और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

ग्राम खवासा निवासी नारायण सोनी (23) की कुरई बाजार चौक में सौरभ ज्वेलर्स नाम से सोने-चांदी की दुकान है। 30 मार्च 2025 की शाम वे अपनी दुकान बंद कर आभूषणों से भरा बैग लेकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे रिड्डी टेक तिराहा (एनएच-44) पहुंचे, पीछे से आई एक सफेद कार ने उनकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर गए, तभी एक बाइक पर सवार दो बदमाश आए और बैग छीनने लगे। जब नारायण ने विरोध किया तो एक आरोपी ने उनके कंधे पर डंडे से हमला कर दिया और बैग लेकर फरार हो गए।

पुलिस की तेज कार्रवाई और तकनीकी जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कृपाल शाह तेकाम और साइबर सेल की विशेष टीम को जांच का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और सघन जांच के बाद संदीप सोनी और संजीत सोनी को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया और पूरी साजिश का खुलासा किया।

अपात्र नर्सिंग स्टूडेंट्स नहीं दे पाएंगे परीक्षा

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अपात्र नर्सिंग कॉलेजों के करीब 10 हजार स्टूडेंट्स को 30 दिन के भीतर पात्र कॉलेजों में ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीवाड़ा मामले की सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में छात्र नहीं मिले हैं, वो छात्र अपात्र होंगे और उन्हें परीक्षा में नहीं बैठाया जाएगा। हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता संबंधी ओरिजिनल फाइलों को याचिकाकर्ता द्वारा अवलोकन के बाद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए हैं। इसमें तुलनात्मक रूप से यह बताना होगा कि जो 300 कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए उन्हें आखिर किन हालात और किन-किन कमियों के होते हुए भी निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई।

फर्जी सर्टिफिकेट देकर 12 साल नौकरी करता रहा सुपरवाइजर, अब हाईकोर्ट ने हटाया

ग्वालियर ■ निसं

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने के बाद 12 साल से नौकरी कर रहे गौरव भार्गव नामक एक मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर को हाईकोर्ट ने तुरंत प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है।

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने के बाद 12 साल से नौकरी कर रहे गौरव भार्गव नामक एक मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर को हाईकोर्ट ने तुरंत प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है। नितिन गौतम और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये खुलासा हुआ कि गौरव ने जिस प्रमाण पत्र को पेश कर चयन प्रक्रिया में अतिरिक्त अंक प्राप्त किए, वह फर्जी था। मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर के पद पर गौरव भार्गव की नियुक्ति को हाईकोर्ट ने दूषित बताते हुए पद रिक्त घोषित करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट के आदेश के चलते अब गौरव के पद पर नए सिरे से भर्ती हो सकती है।

यह मामला 2013 में मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर के पद पर हुई भर्ती की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। इस प्रक्रिया को दूषित बताते हुए अभ्यर्थी नितिन गौतम और अन्य ने याचिका दायर करते हुए मुकेश, विनोद कुमार शर्मा दाउदयाल, गौरव भार्गव और कृष्ण कुमार शर्मा के चयन को चुनौती दी थी। याचिका में कोर्ट को बताया गया था कि लिखित परीक्षा में ज्यादा अंक प्राप्त करने के बाद भी उनका चयन केवल इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि साक्षात्कार में उन्हें जानबूझकर कम अंक दिए गए। कोर्ट को बताया गया कि नियुक्ति के लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें स्थानीय कलेक्टर, सीएमएचओ व स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी बतौर सदस्य शामिल थे।

विशेषकर गौरव की नियुक्ति के मामले में ये खुलासा हुआ कि उसने जिला अस्पताल शिवपुरी में 24 जनवरी से लेकर 24 अप्रैल 2006 तक बतौर ड्रेसर सेवाएं दीं। इसके संबंध में तत्कालीन सीएमएचओ ने 25 अप्रैल 2006 को प्रमाण पत्र जारी किया। हालांकि, आरटीआई से प्राप्त जानकारी में तथ्य झूठा निकला। इस पर हाईकोर्ट को बताया गया कि गौरव ने बतौर वॉलंटियर सेवाएं दी थीं। यह तथ्य प्रकाश में आते ही हाईकोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि ड्रेसर जैसे महत्वपूर्ण पद पर कोई वॉलंटियर के रूप में कैसे सेवाएं दे सकता है?

रहवासी क्षेत्र से हटाई जाए शराब दुकान

दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

सागर ■ निसं

मध्यप्रदेश के सागर जिले में रहवासी क्षेत्र से शराब की दुकान हटाने की मांग की गई। वहीं, दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। सागर के राहतगढ़ में शराब दुकान रहवासी क्षेत्र से हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने शराब दुकान के सामने प्रदर्शन किया। राहतगढ़ के वार्ड क्रमांक-14 में संचालित शराब दुकान को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की मांग को लेकर वार्ड की बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और युवा इकट्ठा होकर मंगलवार सुबह नौ बजे शराब दुकान के सामने धरना प्रदर्शन पर बैठ गए।

वार्डवासी शराब दुकान हटाने को लेकर नारेबाजी करते रहे। यह प्रदर्शन लगभग 12 बजे तक चला। वहीं, एसडीएम अशोक कुमार सेन ने एक मई तक शराब दुकान दूसरी जगह शिफ्ट करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद वार्डवासी माने और धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

वार्डवासियों का कहना है कि वर्तमान में जहां शराब दुकान संचालित है। इसी के पास तहसील, एसडीएम कार्यालय, सीएम राज स्कूल, सिविल अस्पताल लोक सेवा केंद्र, मंदिर मस्जिद और रहवासी क्षेत्र हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी जाती है। आए दिन शराबी वार्डवासियों से लड़ते झगड़ते हैं, जिसे देखते हुए शराब की दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए।

थ्रेसर में फंसी आदिवासी महिला मजदूर का एक हाथ कटकर हुआ अलग

अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

उमरिया ■ निसं

उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत बुढ़हान रामपुर गांव में थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से 40 वर्षीय फूल बाई की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उनका एक हाथ कट गया और गंभीर चोटें आईं। अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। मृतका मजदूरी कर परिवार चलाती थीं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बुढ़हान रामपुर में मंगलवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसमें ग्राम नरवार निवासी 40 वर्षीय विधवा महिला फूल बाई पति स्व. तम्मा बैगा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान महिला का एक हाथ शरीर से अलग हो गया और कमर से ऊपर का हिस्सा बुरी तरह चोटिल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे नरवार के एक कृषक द्वारा खेत में चने की कटाई के लिए थ्रेसर मशीन का उपयोग किया जा रहा था। यह थ्रेसर जरहा निवासी एक कारोबारी का बताया जाता है। कार्य के दौरान अचानक लापरवाहीवश फूल बाई मशीन की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद थ्रेसर मालिक ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को तुरंत ऑटो के माध्यम से अस्पताल भेजा, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद शव को गांव लाया गया, जहां ग्रामीणों ने गहरा शोक व्यक्त किया। इसके उपरांत शव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मृतका के पति तम्मा बैगा का पहले ही निधन हो चुका था, जिसके बाद वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थी। परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं, जिनकी पूरी जिम्मेदारी मृतका के कंधों पर थी।

जल संरक्षण में आम जन का सहयोग भी जरूरी है- महापौर

खंडवा ■ निसं

नगर निगम खंडवा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत झीलोद्धान में पौधरोपण अभियान का का शुभारंभ मंगलवार को महापौर अमृता अमर यादव द्वारा पौधा लगाकर किया गया, इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के साथ ही पार्षद गणों एवं उपस्थित जनों ने भी अपने हाथों से पौधे का रोपण किया, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जल शक्ति अभियान, जल संरक्षण के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है. इसका मकसद लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल संरक्षण परियोजनाओं में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना है. महापौर अमृता यादव के मार्गदर्शन में निगम प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक और प्राचीन पदमकुंड एवं रामेश्वर कुंड के साथ ही शहर में स्थापित जल संरचनाओं पर कार्य चल रहा है, आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर अमृता यादव ने कहा कि जल जीवन है जल है तो कल है, जल सीमित है और जल के दुरुपयोग को बचाना हम सब का दायित्व है, पेड़ों की कटाई के कारण प्रकृति के साथ खिलवाड़ हुआ है इसके कारण पर्याप्त वर्षा नहीं हो पा रही है हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए और भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन हमें कुदरत प्राप्त होती रहे इसके लिए उदारोपण आज की आवश्यकता है।

पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने कहा हमने बाबूजी स्व. सुभाष यादव के सपनों को किया साकार

निमाड़ के किसानों की धरती को बनाया ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र

खरगोन ■ निसं

पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने अपने पिता पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर अपने गृह गॉव बोरावां में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमने बाबूजी के सपनों को साकार किया है । निमाड़ के किसानों की धरती पर बाबूजी द्वारा बोरावां में स्थापित उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों को हमनें ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र बनाने की कोशिश की है । श्री यादव ने बताया कि स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त करने के लिए मप्र और छत्तीसगढ़ का एकमात्र अनुसंधान केन्द्र बनाया है । इसी प्रकार जी.आर.व्हाय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों द्वारा दवाई उद्योग पर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है । इसके लिए केलिफोर्निया यूएसए, ताईवान और देश के विभिन्न शोधकर्ताओं की उपस्थिति में हाल ही में बोरावां में इंटरनेशनल कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था । इंजीनियरिंग कॉलेज जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरावां में भी इंजीनियरिंग और फॉर्मेसी के क्षेत्र में विकास के अवसर और चुनौतियों पर नेशनल कान्फ्रेन्स का आयोजन आगामी 10 अप्रैल को बोरावां में किया जा रहा है ।

निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे स्व. सुभाष यादव

स्व. सुभाष यादव के छोटे सुपुत्र मप्र के कृषि मंत्री रहे कसरावद के विधायक सचिन यादव ने अपने पिताश्री का पुण्य स्मरण करते हुए बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे ।उनके द्वारा स्थापित सभी उच्च तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में किसानों और मजदूरों के बालक-बालिकाएँ ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर अब अनुसंधान कर रहे हैं ।उनका विविध क्षेत्रों में किया जा रहा यह अनुसंधान देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा ।उन्होनें आगे बताया कि बोरावां के शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश विदेश में ख्याति प्राप्त संस्थानों में अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं ।यह हम सब निमाड़ वासियों के लिए गौरव का विषय है ।

स्व. सुभाष यादव को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए बोरावॉ में उमड़ा जनसैलाब

हरित क्रांति के अग्रदूत मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर उनके गृह गॉव बोरावां में आज मंगलवार 1 अप्रैल को निमाड़ , मालवा और प्रदेशवासियों ने उन्हें विनम्र पुष्पांजलि अर्पित की ।स्व. सुभाष यादव की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती यादव, ज्येष्ठ सुपुत्र पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव , छोटे सुपुत्र और मप्र के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद के विधायक सचिन यादव, उनके भाई राजेन्द्र यादव सहित सभी परिजनों ने अपने पितृ पुरूष स्व. सुभाष यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की ।

मप्र में महंगी बिजली का करंट

उच्च दाब उपभोक्ताओं पर 26 पैसे का बोझ

भोपाल ■ निसं

देश में बिजली की कीमतों में औसतन 3.46 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई है, जो 1 अप्रैल से लागू हो गई है। इस वृद्धि से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा। मध्यम वर्ग से लेकर ई-रिक्शा चालकों तक, सभी उपभोक्ता इस फैसले से प्रभावित होंगे। बिजली कंपनियों ने विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें बढ़ाई हैं, जिसमें ई-रिक्शा चार्जिंग और उच्च दाब उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बोझ डाला गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि गरीब से लेकर उच्च वर्ग तक सभी को प्रभावित करेगी।

ई-रिक्शा चालकों पर सबसे ज्यादा मार: ई-रिक्शा चार्जिंग की दर में 24 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो मौजूदा 6.90 रुपये से बढक़र 7.14 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। यह उन चालकों के लिए बड़ा झटका है जो चार्जिंग पर निर्भर होकर अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अलावा, निजी इलेक्ट्रिक वाहनों को घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने की सुविधा रहेगी, लेकिन वाणिज्यिक उपयोग के लिए अलग कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।

उच्च दाब और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर भी असर: उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए 33 केवी लाइन की दर 5.65 रुपये से बढक़र 5.91 रुपये हो गई है, यानी 26 पैसे की वृद्धि। वहीं, वाणिज्यिक कनेक्शनों में 20 पैसे की बढ़ोतरी के साथ दर 6.30 रुपये से 6.50 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। कृषि पंप (300-750 यूनिट) के लिए भी 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो अब 5.92 रुपये से 6.10 रुपये हो गई है।

रात्रिकालीन छूट में बदलाव: औद्योगिक उपभोक्ताओं को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट को संशोधित किया गया है। नए टैरिफ में आठ माह के लिए 7.5 प्रतिशत और जून से सितंबर तक 10 प्रतिशत छूट लागू होगी।

वर्धमान नगर एयरपोर्ट रोड में प्रात:कालीन धर्मसभा का हुआ आयोजन

अपराध का फल जेल है, तो पाप का फल दुर्गति : मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

भोपाल ■ निसं

मुनि श्री ने कहा कि पाप की क्रिया करेंगे तो पाप का बंध तो होगा ही होगा और जब पाप का बंध होगा तो पाप का फल भी मिलेगा ही मिलेगा मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य के जीवन की यह एक विडंबना है, कि वह कर्म बांधने में बैखौफ होकर कर्म बांधता है,और जब वह कर्म पककर अपना फल देता है तो बहूत रोता है, कि हाय यह कैसे हो गया? मुनि श्री ने कहा कि जैसा कर्म तुमने किया है, तो बैसा फल तुम्है भोगना ही पड़ेगा जब महापुरुषों को भी कर्म फल भोगना पड़ा तो हम तुम तो साधारण प्राणी है इसलिये कोई भी अशुभ कर्म है उसको करते समय सावधान रहो मुनि

श्री ने कहा कि भगवान पारसनाथ के जीव को देखो एक भव में गल्ती हुई गलत फहमी हुई उस पाप को काटने में 10भव लग गये और मुनि बनने के पश्चात भी कर्मों ने नहीं छोड़ा ।

चक्रवतीओ तथा बड़े बड़े महापुरुषों को भी कर्म ने नहीं छोड़ा मुनि श्री ने कहा कि जीवन में पुण्य पाप का चक्र निरंतर चलता रहता है,कर्म बंध निरंतर हो रहा है इस बात का अहसास होंना छाहिये। मुनि श्री ने कहा कि अपराध का फल जेल है इसलिये अपराध करने से डरते हो,पाप फल दुर्गति है,जिस दिन यह बोध हो जाऐगा आप पाप से बच जाओगे मुनि श्री ने कहा कि पाप से डरोगे तभी कर्म के फल से बच पाओगे मुनि श्री ने कहा कि अशुभ प्रवत्तियों से हर पल सावधानी रखिये जीवन बहुत छोटा सा है,जीवन की कहानी समाप्त हो जाऐ कहा नहीं जा सकता न कल का भरोसा है,न पल का भरोसा मुनि श्री ने श्रीमद् राजचंद्र जो कि एक जैन साधक थे,और गांधी जी उनको अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे वह हमेशा कहते थे कि तीन बातें सदैब ध्यान रखना। काल सिर पर सबार है मौत कभी भी तुम पर हांवी हो सकती है पांव रखते ही पाप लगता है यानि हमारी प्रत्येक प्रवत्ती में पाप समाया हुआ है,कदम कदम पर पाप का बंध हो रहा है यह अहसास अपने मन में जाग्रत होंना चाहिये।

नजर खोलते ही जहर चड़ता है पंचेन्द्रिय के विषयों की ओर देखा नहीं कि उनका जहर चड़ा नहीं यह विषय विष से खतरनाक बिष है विष तो एक भव को लीलता है विषय भोग भव भव को लील जाते है मुनि श्री ने कहा कि जिसे कर्मों से डर लगता है उसी को बैराग्य होता है आचार्य श्री हमेशा कहा करते थेसंसारी प्राणी सभी वीर योद्धा है इनको कर्मों से कोई डर नहीं लगताजिसे कर्मों से डर होता है वही कर्मवंध से बच सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दैवेभो कर्मचारियों की नई वेतन दरे लागू, 275 रुपए प्रति माह बढ़ाया गया वेतन

भोपाल। मप्र के श्रम आयुक्त ने प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से 31 सितंबर तक के लिए नई वेतन दरें घोषित कर दी हैं। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि श्रम आयुक्त ने प्रदेश के शासकीय एवं अदृशसाकीय विभागों में काम करने वाले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से अब अंकुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 12125 रु अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 13121रु कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 14844 रु उच्च कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 16469 रुपए निर्धारित किया है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों को उक्त वेतन के साथ-साथ रविवार का अवकाश भी मिलेगा। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश की दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के वेतन में 1 अप्रैल 2025 से प्रतिमाह 275 रुपए की वृद्धि करने को ऊंट के मुंह में जीरा के समान बताया है। श्रम आयुक्त ने अभी भी प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों की वेतन वृद्धि 10 साल पुराने इंडेक्स के आधार पर घोषित किया है जो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के साथ अन्याय है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का श्रम आयुक्त ने आर्थिक नुकसान किया है।

गर्मी सीजन के लिए अभी से एक्सप्रेस ट्रेनें फुल

भोपाल। गर्मी के मौसम में लंबी दूरी की अधिकांश एक्सप्रेस ट्रेनें अभी से फुल हो गई हैं। उत्तर भारत (खासतौर पर यूपी-बिहार) की ओर जाने वाली ट्रेनों में कंफर्म सीट पाने के लिए अगले तीन महीने तक मारामारी मची हुई है। अप्रैल, मई और जून महीने में सबसे अधिक शादी-विवाह होने के साथ ही स्कूल, कॉलेज की छुट्टियां होने से परिवार सहित यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ जाती है। इसके चलते दो महीने पहले से कंफर्म रिजर्वेशन टिकट कराने के लिए भोपाल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र में भीड़ बढ़ गई है। भोपाल रेलवे स्टेशन से दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उप्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, गोवा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड आदि राज्यों की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की आवाजाही और बुकिंग की स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कई रूटों पर समर एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का शेड्यूल जारी करना शुरू किया है।

जय माँ भवानी सेवा समिति द्वारा 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा कल

भोपाल। जय माँ भवानी सेवा समिति द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन लगातार 9वें वर्ष हो रहा है। समिति के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि यह भव्य यात्रा गुरुवार, 3 अप्रैल को शाम 4 बजे प्रारंभ होगी। चुनरी यात्रा श्याम नगर, अरेरा पेट्रोल पंप के पास से विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद माता के जयकारों के साथ रवाना होगी। यह यात्रा हबीबगंज थाना, इंदिरा मार्केट, रविशंकर नगर बोर्ड कॉलोनी, एकांत पार्क, कोलार गेस्ट हाउस, चूना भट्टी होते हुए माँ कलिका मंदिर, चूना भट्टी पहुंचेगी। यहाँ माँ को चुनरी अर्पित की जाएगी। चुनरी यात्रा में विशेष रूप से देवी स्वरूप कन्याओं को रथ पर विराजित किया जाएगा। यात्रा के आगे विशाल भगवा ध्वज, डीजे, ढोल-नगाड़े रहेंगे। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन एवं अर्चन किया जाएगा, साथ ही श्रद्धालु उनसे आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

पूर्व आईएफएस अधिकारी सहित 3 के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज की 420 की एफआईआर

- राज्य आजीविका मिशन में की नियम विरुद्ध नियुक्तियां
- सुषमा शुक्ला को एमबीएम की फर्जी डिग्री पद दी नियुक्ति

भोपाल ■ निसं

आजीविका मिशन में अवैधानिक नियुक्तियों के आरोप में पूर्व आईएफएस अधिकारी एवं तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल सहित विकास अवस्थी और सुषमा रानी शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। खिलाफ ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज कर ली है। ललित मोहन बेलवाल पर आरोप है, कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में बिना अधिकार अवैधानिक नियुक्तियां की हैं। जानकारी के अनुसार फरवरी 2024 को आरके मिश्रा ने ईओडब्ल्यू से आजीविका मिशन के तत्कालीन राज्य प्रबंधन ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ नियुक्तियों में गड़बड़ी की शिकायत ईओडब्ल्यू में की थी। लेकिन, कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर कर दिया। सीजेएम कोर्ट ने ईओडब्ल्यू से 28 मार्च तक इस मामले की जांच और कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट को बताया था, कि जांच में पता चला है, कि अफसरों द्वारा किए गए विवादित कार्य या आदेश शासकीय पद पर रहते हुए जारी किए गए हैं। मामले में आगे की गई जांच में सामने आया की तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल ने प्रतिनियुक्ति के समय वर्ष 2015 से 2023 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुये राज्य परियोजना प्रबंधक के पदों पर सलाहकारों की अवैध नियुक्तियां की गई। बेलवाल द्वारा सचिव मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के निर्देशों को दर किनार करते हुए एवं संबंधित नस्तियों में छेड़छाड़ करते हुए तत्कालीन विभागीय मंत्री की आपत्तियों को भी नजरअंदाज करते हुए यह नियुक्तियां की गई। जांच पूरी होने पर सामने आई रिपोर्ट में पाया गया कि जिस मानव संसाधन मार्गदर्शिका के नियमों के आधार पर स्वीकृत पदों के विरुद्ध बेलवाल द्वारा नियुक्तियां की गई है। वह मानव संसाधन मार्गदर्शिका तब अस्तित्व में नहीं थी। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि अवैधानिक नियुक्तियों के साथ-साथ अन्य संवर्गों में लागू जीवन यापन लागत सूचकांक को बेलवाल द्वारा नजरअंदाज करते हुये इन अवैध नियुक्तियों के मानदेयों में 40 प्रतिशत तक की असम्यक बढ़ोतरी की गई। जांच में यह प्रमाण पत्र फर्जी पाया गया इसे एनआईआरडी द्वारा जारी नहीं किया गया था। वहीं सुषमा शुक्ला ने सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री प्रस्तुत की थी, उसमें तीसरे और चौथे सेमेस्टर दोनों की मार्कशीट पर परीक्षा की एक ही तारीख (25.10.2010) अंकित थी। चैक करने पर विश्वविद्यालय ने साफ किया की दोनों सेमेस्टर की परीक्षाओं के बीच 6 महीने का अंतराल था। नौकरी देने के लिये साक्षात्कार पैनल का गठन भी बेलवाल द्वारा स्वयं किया गया।

फर्जी निकली सुषमा शुक्ला की एमबीए की डिग्री और अनुभव प्रमाण पत्र

ईओडब्ल्यू द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बेलवाल द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये बिना योग्यता के सुषमा रानी शुक्ला को उस पद पर नियुक्त किया गया जिस पर उन्हें नियुक्ति नहीं दी जानी थी। इस पद के लिए न्यूनतम 15 वर्ष का प्रबंधकीय अनुभव अपेक्षित था, जबकि उन्हें यह अनुभव था हीं नहीं। इसके बाद भी उन्हें नियुक्त करने के मात्र चार माह के अंदर ही अवैध तरीके से 70 हजार प्रतिमाह का मानदेय स्वीकृत किया गया। इस पद के लिये एमबीए या स्नातकोत्तर डिग्री आवश्यक होती है, साथ ही 15 साल का प्रासंगिक प्रबंधकीय अनुभव भी होना चाहिये। सुषमा शुक्ला द्वारा दी गई एमबीए की डिग्री और अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी पाये गये। सुषमा शुक्ला ने अपने प्रतिवेदन में 15 मई 2016 में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी) हैदराबाद का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किया था।

एनएचडीसी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन किया

भोपाल ■ निसं

एनएचडीसी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में समझौता ज्ञापन (एमओयू) में उत्कृष्ट रेटिंग के तहत 4900 मिलियन यूनिट के विद्युत उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले 5575.02 मिलियन यूनिट का कुल वास्तविक विद्युत उत्पादन सफलतापूर्वक हासिल किया गया है, जोकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के वास्तविक विद्युत उत्पादन से 24.63त्न अधिक रहा है । एनएचडीसी द्वारा यह रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन, कंपनी की स्थापना के बाद से दूसरा सबसे अधिक विद्युत उत्पादन भी है। एनएचडीसी के 08 मेगावाट सांची सोलर प्लांट ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ) 21.42त्न के साथ 15.021 मिलियन यूनिट के सौर ऊर्जा उत्पादन का उत्कृष्ट लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है । इसी तरह एनएचडीसी के 88 मेगावाट ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट जिसकी दिनांक 29.10.2024 को सफलतापूर्वक कमिशिंनग हुआ था, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 96.412 मिलियन यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है ।

इस अवसर पर एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक श्री राजीव जैन ने कंपनी के अधिकारियो व कर्मचारियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी । यह असाधारण रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन कार्मिको की कर्मठता एवं मशीनों के उत्कृष्ट स्थिति में रखरखाव के कारण प्राप्त हो पाया है । श्री जैन ने मध्य प्रदेश शासन को भी धन्यवाद किया जिनके सहयोग से यह रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन हासिल किया जा सका । इससे एनएचडीसी के सभी हितधारकों को लाभ हुआ है ।

एनएचडीसी लिमिटेड मध्य प्रदेश राज्य की अग्रणी विद्युत उत्पादन कंपनी है, जोकि एनएचपीसी लिमिटेड और मध्य प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम है । इस कंपनी की स्थापना वर्ष 2000 में हुई थी । वर्तमान में, एनएचडीसी लिमिटेड के दो जलविद्युत पावर स्टेशन- इंदिरा सागर पावर स्टेशन (1000 मेगावाट) और ओंकारेश्वर पावर स्टेशन (520 मेगावाट) मध्य प्रदेश राज्य के खंडवा जिले में संचालित हैं । एनएचडीसी के 08 मेगावाट का सांची सोलर प्लांट तथा 88 मेगावाट का ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट है संचालन में हैं । इन परियोजनाओं से उत्पादित 100त्न विद्युत से मध्य प्रदेश राज्य को आपूर्ति की जाती है । वर्तमान में एनएचडीसी 640 मेगावाट पंप स्टोरेज परियोजना को स्थापित करने पर कार्यरत है ।

पेट्रोल-डीजल पर लगाए टैक्स से भी अब होगा फ्लायओवर और सडक़ों का निर्माण

भोपाल ■ निसं

केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर लिए जाने वाले टैक्सों के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अतिरिक्त सेस लगाया जाता है, जिससे सडक़ों-फ्लायओवरों का निर्माण देशभर में करवाया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में फ्लायओवरों के अलावा महत्वपूर्ण सडक़ों के निर्माण भी सेंट्रल रोड फंड से करवाए जा रहे हैं। अब 22 जिलों की 30 सडक़ों का निर्माण और आधा दर्जन फ्लायओवरों भी सीआरएफ फंड से बनेंगे। लोक निर्माण विभाग को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि केन्द्र ने इस फंड से जारी की है।

लोक निर्माण विभाग अब सीआरएफ फंड से मिली राशि से भी जिन सडक़ों और फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जाना है उनके सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश की कई महत्वपूर्ण सडक़ें शामिल हैं, जिनके प्रस्ताव विधायक और सांसदों के माध्यम से शासन और फिर उसके बाद केन्द्रतक भेजे जाते हैं। गत वर्ष 3 हजार 800 करोड़ की राशि हासिल हुई थी। वहीं इस बार यह आंकड़ा 5 हजार करोड़ के पार हो गया है, जिसमें दो चरणों में 46 सडक़ों के साथ 7

फ्लायओवरों का निर्माण भी किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस फंड से सबसे अधिक सडक़ें पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री के क्षेत्र में बन रही है। बुधनी के अलावा अधिक सडक़ें उज्जैन में निर्मित होंगी, जिसके प्रस्ताव सिंहस्थ के मद्देनजर भी शासन द्वारा केन्द्र को भेजे गए। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि इनमें से कुछ सडक़ों के निर्माण शुरू भी हो गए हैं, जिनके टेंडर पूर्व में मंजूर कर लिए थे। अगले एक साल में इन सभी प्रमुख सडक़ों के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया है।

भोजपुर मंदिर के पास दो बाघों का रेस्क्यू

भोपाल । रायसेन के भोजपुर मंदिर के पास से दो बाघों का रेस्क्यू किया गया। वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने सोमवार पिंजरे लगाए थे। उसी रात करीब 9 बजे एक बाघ पिंजरे में कैद हो गया। जबकि दूसरे बाघ को मंगलवार को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा गया। दोनों को चेकअप के बाद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। पिछले एक महीने से बाघों का इस एरिया में मूवमेंट था। दोनों 10 से ज्यादा मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। ग्रामीण दहशत के कारण खेतों में फसल नहीं काट पा रहे थे। भोजपुर, मंडीदीप और बंगरसिया आने-जाने के लिए जंगल से गुजरना पड़ता है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों को देर रात यहां से गुजरना पड़ता है। बाघों के मूवमेंट से ग्रामीण डर में जी रहे थे।

भाजपा का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान 7 से

पार्टी के कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में लेंगे भाग

भोपाल ■ निसं

भाजपा 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव चलो, बस्ती चलो अभियान संचालित करेगी। इस दौरान कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। 2 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय बैठक होगी, जिसमें अभियान, भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी। 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घर और कार्यालयों में पार्टी का झंडा लगाएंगे। 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रम होंगे। यह अभियान भाजपा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने में सहायक होगा।

स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें स्वच्छता अभियान

प्रमुख मंदिरों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पशु चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केंद्रों और पंचायत भवनों की सफाई। इसके अलावा सराकरी योजनाओं के 10 लाभार्थियों के घर जनसंपर्क और ग्रामीणों के साथ चौपाल में संवाद किया जाएगा। प्रदेश में जल संरचनाओं की सफाई के अभियान में सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। वहीं, संगठनात्मक गतिविधियां भी होगी। जिसमें बूथ समितियों की बैठक ली जाएगी। विभिन्न समुदायों के नेताओं और मीसाबंदियों से संपर्क किया जाएगा। पार्टी का प्रचार करते हुए झंडला लगाना और जनजागरण यात्राएं भी निकाली जाएगी।

'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के तहत वेव्स कॉस्प्ले चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी

वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के फाइनलिस्ट की घोषणा

भोपाल ■ निसं

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ संयुक्त भागीदारी में इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन ने वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और इंटरनेशनल एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन असिफा इंडिया ने वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के फाइनलिस्ट की घोषणा आज भोपाल में आयोजित एक समारोह में की । इन्हें मुंबई में 1 से 4 मई, 2025 को आयोजित होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) में पुरुस्कार प्रदान किये जायेंगे। कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठराबे ने वेव्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो पेशेवर उद्यमी, निवेशक, निर्माता और नवप्रवर्तकों को मनोरंजन क्षेत्र

में जुड़ने, सहयोग करने, नवप्रवर्तन करने और योगदान करने के लिए शानदार वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह कन्टेंट निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।

इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजितेश शर्मा ने कहा, हमें वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। श्री अजितेश शर्मा ने बताया कि देश भर से जबरदस्त उत्साह दिखाए जाने के बाद इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन ने फाइनल राउंड के लिए 10 टीमों को चुना है। फाइनल दौर के लिए उम्मीदवारों का चयन उनकी रचनात्मक कहानी, कलात्मक कौशल और समग्र प्रभाव के आधार पर किया गया। इस चैंपियनशिप का उद्देश्य भारतीय कॉमिक्स को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना और उभरती प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप के लिए आई प्रविष्टियों की गुणवत्ता असाधारण थी और हमें पूरा विश्वास है किये फाइनलिस्ट भारतीय कॉमिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

प्रविष्टियों का मूल्यांकन करने वाले पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध कॉमिक कलाकार और चित्रकार दिलीप कदम, प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट प्राण कुमार शर्मा के बेटे और खुद एक प्रसिद्ध कॉमिक क्रिएटर निखिल प्राण, वेब मंगा द बीस्ट लीजन के निर्माता जैजिल होमावजीर, राज कॉमिक्स के संस्थापक संजय गुप्ता, अमर चित्र कथा की अध्यक्ष और सीईओ प्रीति व्यास शामिल हैं।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढ़ाई गुना हुई

सूक्ष्म में ढ़ाई, लघु में 25 और मध्यम उद्यम में 125 करोड़ की निवेश सीमा

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रूपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा। पहले यह सीमा निवेश के लिये 50 और कारोबार के लिये 250 करोड़ नियत थी।

अनमोल वचन

बाधाए वो डरावनी चीजे है, जो आप तब देखते है जब आप लक्ष्य से अपनी आँखे हटा लेते है।
हेनरी फोर्ड

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित निष्ठावान होना पड़ेगा।
अब्दुल कलाम

सम्पादकीय

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है। मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए। बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं?

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि का त्यौहार

यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें।

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्चिन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री,

ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया।

कुमार कृष्णान

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया।

वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध109 गांवों के किसा नकर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

किसानों का मनाना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपजाऊ मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है। बागमती पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे जाम कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था। उस कमिटी के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कमेटी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई।

इस कमिटी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आईआईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक उस कमिटी की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उसका समय बढ़ाया जाता रहा है। ताजा सूचना के अनुसार उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, इस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट आयी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में बागमती में बराज निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नही हो वहां लचका बनाकर या स्लूईश गेट के माध्यम से उपजाऊ पानी खेतों को दिलाने,सुप्पी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के साथ विस्थापित परिवारों को मुआबजा भुगतान कराने,पूर्व से विस्थापित परिवारों को भूमि पर कब्जा दिलाने,2024के बाढ,कटाव तथा तटबंध टूटने से प्रभावितों को उचित अनुदान तथा गृह क्षति मुआबजा भुगतान, जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से नदियों को बचाने,अल्पवर्षा,कटाव रोकने,गाद सुरक्षा हेतू नेपाल से भारत तक सघन वृक्षारोपण के लिए ठोस पहल करने की मांग की गयी। कन्वेशन में पारित दस सूत्री प्रस्ताव को सरकार को भेजा जाएगा।

बागमती नदी पर तटबंध तथा बराज निर्माण के नाम पर1970 के दशक से ही बडा सपना दिखाया जा रहा है।सरकार अब पुनन्बराज का सपना दिखा रही है। वहां के लोगों का कहना है कि सरकार सपना दिखाने के वजाए बागमती को बचाने तथा उसका उपजाऊ पानी खेतों को सुलभ कराने पर काम करे।लोगों ने साफ तौर कहा कि तटबंध-बराज नहीं बागमती का पानी चाहिए।

नेपाल सीमा से सटे मेजरगंज प्रखंड के बसबीट्टा बाजार पर पंचायत भवन के सभागार में किसान नेता तथा स्थानीय मुखिया राघवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन-नदी विमर्श मंच के तत्वावधान मेंआयोजित किसान-कन्वेंशन में प्रस्ताव पारित कर सरकार से 10सूत्री मांगो पर अमल की मांग की गई। राघवेन्द्र कुमार सिंह ने तटबंध के भीतर के गांवों तथा मेजरगंज तथा सुप्पी में बागमती की समस्या पर प्रकाश डाला।

कन्वेंशन में पर्यावरणविद तथा नदी जल विशेषज्ञ रामशरण अग्रवाल ने कहा प्रथम सिंचाई मंत्री ने तटबंध का विरोध किया था।गाद निकालना समस्या है परन्तु गाद नही आने पर चिंतन नही किया जा रहा है नेपाल के पहाड से समतल तक वृक्षारोपण से गाद रूकेगी।बिहार सरकार स्वेत पत्र जारी करे तथा बागमती पर कितनी राशि खर्च हुई उसकी मांग उठनी चाहिए। बडी नदियों के जीवन के लिए छोटी नदियों को भी बचाना होगा।योजना बनाते समय विस्तृत जानकारी संबंधित क्षेत्रों को दिया जाना जरूरी है।उन्होने पर्यावरण तथा जलवायु संकट पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गांधीवादी तथा नदी जल विशेषज्ञ प्रो आनन्द किशोर ने कहा कि फरक्का बराज से गंगा गाद से भरकर दर्जनो जिलों में तबाही मचा रही है।मुख्यमंत्री तथा जल संसाधन मंत्री फरक्का बराज तोडने की बात कह चुके है वहीं कोशी का बीरपुर बराज फेल है फिर बागमती में ढेंग तथा कटौझा में 45 किमी के बीच दो बराज तथा नेपाल से कटौझा 85कि मी में तीन बराज का कोई औचित्य नही है।

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने आकर्षित किया है

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत हज़ारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खज़ाने से भरपूर कैसे हो सकता है!! साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!! साथियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज़ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखते सुनते पढ़ते हैं कि माननीय उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक बुद्धिजीवियों कला प्रेमियों द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के विविध रंगों को सुरक्षित और कायम रखने के लिए उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है। साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ़ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी। लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है।

खास बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार अपनी मातृ संस्था केशव कुंज नागपुर पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत की तारीख की।प्रित संगठन संघ की तारीफ में कसीदे गढ़े। स्मृति मंदिर पहुंचकर पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद लगे हाथ भीमराव अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि देने दीक्षा भूमि पहुंच गए। प्रधानमंत्री मोदी की नागपुर यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। यह माना जा रहा है, उनका कार्यकाल बहुत कम समय का बचा है। पहले भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष संघ अपनी पसंद का बनाएगा। उसके बाद प्रधानमंत्री को बदला जाएगा।मोदी की उम्र 75 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। सत्ता में अब उनकी पकड़ कमजोर हो गई है। उनका मार्गदर्शक मंडल में जाने का समय आ गया है। उन्होंने संघ को बहुत कमजोर कर दिया था।संघ अब उन्हें सत्ता से बाहर करने जा रहा है। इस तरह की खबरें देश भर में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही हैं। सच क्या है, भगवान जाने। अभी तो दोनों एक दूसरे की तारीफ कर रहे हैं।

नितीश बाबू शाह के सामने भी झुके

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अपनी अंतिम पारी खेल रहे हैं। इस अंतिम पारी में जिस तरह से वह भाजपा के केंद्रीय नेताओं के सामने बार-बार झुककर अपनी कमजोरी प्रदर्शित कर रहे हैं।उससे ऐसा लगता है कि अब नीतीश कुमार भाजपा के मकड जाल में फंस चुके हैं। उन्हें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री बिहार के दौरे पर थे। उन्होंने चुनावी बिगुल बजा दिया है। उनके सामने सर झुकाए नितीश बाबू को देखकर हर बिहारी हैरान है।

समय बदलते ही इफ्तार पार्टी की रौनक बढ़ी

केंद्र में 2014 मे मोदी सरकार बनी। उसके बाद से इफ्तार पार्टी का चलन धीरे-धीरे कम होता चला गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई इफ्तार पार्टी में जाते थे।वह जालीदार टोपी भी लगा लेते थे। भाजपा के नेता भी इफ्तार पार्टियों में जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद, विशेष रूप से भाजपा के नेताओं ने इफ्तार पार्टी में जाना बंद कर दिया था। भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के बीच में इफ्तार पार्टी का चलन खत्म हो गया था। बलिहारी हो, बिहार मे विधानसभा चुनाव हैं। बलिहारी हो, केंद्र में अल्पमत की सरकार है। समय बदलते ही एक बार फिर भाजपा में इफ्तार पार्टी की रौनक लौटने लगी है। दिल्ली और पटना में भाजपा के नेता इफ्तार पार्टी की रौनक बना रहे हैं। भाजपा नेता अब इफ्तार पार्टी का आयोजन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगी मीसा भारती?

राष्ट्रीय जनता दल की सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, अपने परिवार में चल रहे घमासान के बीच अपना बुढ़ापा शांति के साथ नहीं काट पा रहे हैं। लालू प्रसाद यादव के पीछे भारतीय जनता पार्टी पड़ी हुई है। बार-बार जेल भेजने की धमकी दे रही है।वही परिवार के लोग आपस में लड़कर उनका जीना हराम कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री घोषित कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में मीसा भारती राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहती हैं।तेज प्रसाद यादव अलग नाराज चल रहे हैं। वह तेजस्वी यादव से नाराज हैं। कई बार घर के अंदर मारपीट की नौबत आ चुकी है।लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी परिवार के झगड़े को निपटाने के लिए जो भी प्रयास कर रहे हैं, वह सफल नहीं हो रहे हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि चौथ/पंचमी, बुधवासरे, कृतिका नक्षत्रे, प्रीतयोगे, विव करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 02/38 सर्वाथ सिद्ध योग, अमृत सिद्ध योग, 18/19 रोग स्नान व्यापार धान्य छेदन अन्नप्रासन्न तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक किसान, उद्यमी, विवेकवान, शिक्षक, लिपिक, कम्प्यूटर-ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, उद्योगपति, लेखापाल, लिपिक, शार्टहेण्ड-टाईपिस्ट तथा लिखने में चतुर कवि, लेखक होगा।

मेष राशि- अधिक संघर्षशीलता से बचिये, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

वृष राशि- विरोधी तत्व परेशान करें, कुछ शुद्ध गोचर रहने से समय व लाभ अवश्य होगा।

मिथुन राशि- कार्य निश्चय ही बनें, समय की अनुकूलता का लाभ लेवें, मानसिक संतोष होगा।

कर्क राशि- कुटुम्ब में शुभ समाचार, दैनिक व्यवसाय में अनुकूलता अवश्य ही बन जायेगी।

सिंह राशि- सरकारी कार्य निपटा लें, सफलता का संघर्ष निश्चय फलदायी होगा।

कन्या राशि- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा, नवीन चेतना अवश्य फलप्रद होगी।

तुला राशि- विवाद ग्रस्त होने से बचिये अन्यथा संकट में फंस सकते हैं, कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- समृद्धिवर्धक योग बनेंगे, अधिकारी वर्ग का लाभ मिलेगा, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, समय पर सोचे कार्य बनेंगे, अधिकारी वर्ग समर्थक बनेंगे।

मकर राशि- मानसिक शांति बनाये रखें, विरोधी तत्व परेशान करेंगे, मार्ग अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि- सफलता के साधन बनें, व्यर्थ भटकने से बचें, समय का ध्यान अवश्य रखें।

मीन राशि- प्रत्येक कार्य में बाधा, कार्य में विलम्ब, किसी मित्र से धोखा अवश्य होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.31 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.11 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.09 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.23 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.39 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.51 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.01 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.16 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.32 बजे से
राहुकाल		मकर	01.37 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	03.24 बजे से
		मीन	04.56 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 23.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 08.50 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 06.07 बजे तदनन्तर आयुष्मान 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 13.08 बजे तदनन्तर बालव 23.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872302
जूलियन दिन 2460767.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 03
विशेष लक्ष्मी पंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

हाफिज,मसूद अजहर के करीबियों की हत्या के पीछे का सच सामने आया

करांची। पाकिस्तान में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों के कई करीबियों की हत्या हो गई है। इसके लिए कई बार आरोप लगे कि हत्या करने वालों को भारत का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि इस तरह के आरोपों को भारत नकारता रहा है। अब एक रिपोर्ट आई जो कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही है। इस बीच रिपोर्ट है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश और लश्कर के बीच मतभेद गहरा गए हैं। इस बारे में एक डिटेल रिपोर्ट प्रकाशित की है। वेबसाइट ने खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि दोनों संगठनों के सरगनाओं के बीच बातचीत से पता चला है कि आतंकी हमलों की योजना को लेकर उनकी सोच अलग-अलग है। इस वजह से दोनों एक साथ काम नहीं करना चाहते। पाकिस्तानी सेना ने इनके बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। अब पाकिस्तान जैश के आतंकियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए सुरक्षित रास्ता दे रहा है। इन दोनों संगठनों के बीच यह कलह इतनी बढ़ गई है कि वे एक दूसरे के सरगनाओं को निशाना बना रहे हैं।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैंकाक में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहां पहुंच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिम्सटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहां पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है। थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की बैंकाक यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ओली की यह दूसरी साइडलाइन मुलाकात हो रही है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों के बीच साइडलाइन मुलाकात हुई थी। इसके बाद अब बैंकाक में यह मुलाकात होने जा रही है। प्रधानमंत्री बनने के आठ महीने के बाद भी ओली की अब तक भारत का औपचारिक भ्रमण नहीं हो पाया है।

पाक में बलूचिस्तान के बरखान जिले में भूकंप से कांपी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में भूकंप आने के कुछ घंटों बाद सुबह बलूचिस्तान के बरखान जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 रही और यह 12 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र बरखान से 59 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रहा। इसमें कहा गया कि इससे पहले ईद के दिन भी शाम 4 बजे के आसपास कराची के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कराची में आए भूकंप की तीव्रता 4.7 थी और इसका केंद्र शहर से 75 किलोमीटर उत्तर में स्थित था। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप के झटकों के बाद लोग घबरा गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 थी और भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के उथल से 65 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

खालिदा जिया का बांग्लादेश के भविष्य के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने देश के बेहतर भविष्य और मुल्क में जम्हूरियत की स्थापना के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया। खालिदा ने यह अपील ईद और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ढाका में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व अन्य से सोमवार को लंदन से वर्चुअली संबोधन में की। खालिदा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को ईद और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना के लिए आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम गुलशन स्थित उनके कार्यालय में आयोजित किया गया।

ठाणे सिविल अस्पताल में आधुनिक एफेरेसिस मशीन, डेंगू मलेरिया हेतु वरदान

मुंबई। रक्त की एक थैली में रक्त को छांटने से प्राप्त घटकों की मात्रा बहुत कम थी। इसलिए, हालांकि अक्सर रक्त में प्लेटलेट्स और प्लाज्मा घटकों को खोजने के लिए भागदौड़ करनी पड़ती है, लेकिन अब ठाणे जिला सिविल अस्पताल में शरीर से वांछित रक्त घटकों को निकालने के लिए एफेरेसिस मशीन तैनात की गई है। आवश्यकतानुसार दाता से केवल प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और लाल कोशिकाएं ही निकाली जाएंगी। इससे डेंगू, मलेरिया, लेप्टोस्पायरोसिस, गर्भवती महिलाओं आदि के लिए प्लेटलेट्स प्राप्त करने की आवश्यकता कम हो जाएगी। यह आधुनिक मशीन ठाणे सिविल अस्पताल में डेंगू मलेरिया रोगियों के लिए वरदान साबित होगी।

देश के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर 1 से 15 अप्रैल तक मनाया जाएगा स्वच्छता पखवाड़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्वच्छता अभियान को मिशन के रूप में आगे ले जाने के मकसद को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सुविधाओं और केन्द्रों पर मंगलवार से स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया गया है। मंगलवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता को सर्वोच्च महत्व और प्राथमिकता दी है। उनके दृष्टिकोण स्वच्छता का मिशन एक दिन का अनुष्ठान नहीं बल्कि आजीवन अनुष्ठान है। इससे प्रेरित होकर 1 से 15 अप्रैल तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाने की शुरुआत की गई है।

जेपी नड्डा ने कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री कहते हैं, स्वच्छता नेताओं और सरकारों के प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के प्रयासों से ही प्राप्त की जा सकती है। इसलिए आज स्वच्छता अभियान एक सामाजिक आंदोलन बन गया है। उन्होंने जन भागीदारी की इस भावना को अपनाते हुए सभी स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों से इससे जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े लोग इस मिशन में उत्साहपूर्वक चैंपियन बनने को अपना व्यक्तिगत मिशन बनाएं। अपने आस-पास और समुदायों के लोगों को इस राष्ट्रीय अभियान में स्वच्छाग्रही बनने के लिए प्रोत्साहित करें, शामिल करें और सशक्त बनाएं।

जेपी नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि एक जन आंदोलन न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के कायाकल्प की ओर ले जा सकता है, बल्कि हमारे आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता के उच्च स्तर से हमारे सामूहिक स्वास्थ्य सूचकांकों में बेहतर लाभ हो सकता है।

सीएम ने किया उत्तर प्रदेश के बरेली में 932 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति गरीबों को बांट दी जाएगी : योगी

बरेली ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल में बरेली समेत सूबे भर में कहीं भी दंगे नहीं हुये। यदि अब किसी ने दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। समाजवादी सरकार ने ने गोवंश को लावारिस छोड़ दिया था। उनके मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गंध आती है। ये उनकी असलियत है। वे गौमाता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहन्नुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। वह बरेली में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बरेली में 932 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

पूरे प्रदेश के लिए 2500 नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बरेली कॉलेज ग्राउंड से मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गो-तस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौमाता की सेवा क्या जानें। उनको गौमाता के गोबर में तो दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। 2017 से पहले बरेली में हर साल पांच-सात दंगे आम बात थी। अब बरेली में दंगा नहीं, चंगा है।

उन्होंने कहा कि जिन एम्बुलेंस को आज हरी झंडी दिखाई गई है, उनसे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त होंगी। 2017 से पहले 108 एंबुलेंस सेवा का रिस्पांस टाइम 17 से 19 मिनट था, जिसे अब घटाकर 7 मिनट से कम किया गया है। इन्सेफलाइटिस, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए यह अभियान जरूरी है। इस मौके पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, टूलकिट और आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए।

योगी ने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के लिए 1.25 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। अब स्कूलों को इंटीग्रेटेड स्कूल कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में 16 अटल आवासीय विद्यालय शुरू किए गए हैं, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करेंगे। 2017 से पहले सरकारी स्कूलों की हालत खराब थी। अब 1.91 करोड़ छात्रों के बैंक खातों में 1200 रुपये भेजे जा रहे हैं। सरकार द्वारा दो यूनिफॉर्म और संपूर्ण ड्रेस अनिवार्य रूप से दी जा रही है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी लाल, संजीव अग्रवाल व कुंवर महाराज सिंह, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, आंवला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, विशेष सचिव मुख्यमंत्री ईशान प्रताप सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक डॉ. राकेश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य आदि उपस्थित रहे।

देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग व ड्रोन टेक्नोलॉजी में होगी एमटेक डिग्री

जोधपुर ■ एजेंसी

जोधपुर आईआईटी की पहल, सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन शुरू

आने वाले समय में ड्रोन विशेषज्ञों की जरूरतों को देखते हुए जोधपुर आईआईटी ने पहल की है। यहां देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक व ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में स्पेशलाज्ड एमटेक कोर्स शुरू होने जा रहा है। पुल निर्माण तकनीक में दक्षता बढ़ाने के लिए ब्रिज इंजीनियरिंग में आईआईटी एमटेक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आईआईटी जोधपुर में 2025-26 के सत्र के लिए एडमिशन शुरू हो गए हैं।

आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में विशेष एमटेक कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। ड्रोन रक्षा, निगरानी, आपदा प्रबंधन, रसद, कृषि और शहरी गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रहे हैं, जबकि काउंटर-ड्रोन तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। अग्रवाल ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में एक अनूठी विशेषता है कि छात्र स्क्रैच से ड्रोन को इकट्ठा करेंगे। घटकों का विश्लेषण करेंगे। प्रदर्शन मीट्रिक की गणना करेंगे और उड़ान परीक्षण करेंगे। यह कोर्स बढ़ते उद्योग के लिए काफी लाभदायक होगा। उन्होंने बताया कि पूरी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है। इच्छुक उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग या विज्ञान में स्नातक की डिग्री या संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। पंद्रह अप्रेल तक आवेदन किए जा सकते हैं।

निदेशक ने बताया कि ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक प्रभावशाली कोर्स है। आईआईटी जोधपुर के सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तैयार किया गया यह देश का पहला ब्रिज इंजीनियरिंग का एमटेक कोर्स है। इसे विशेष रूप पुल डिजाइन, निर्माण और रखरखाव में आधुनिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट, केबल-सपोर्टेड ब्रिज और उन्नत कंक्रीट प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

देश की सभी ग्राम पंचायतों को तीव्र संचार प्रणाली से जोड़ा जाएगा: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

मुंबई ■ एजेंसी

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को मुंबई में कहा कि देश की प्रत्येक ग्राम पंचायतों को तीव्र संचार प्रणाली से जल्द जोड़ा जाएगा। इस दिशा में तीव्र संचार प्रणाली बनाने के लिए भारत नेट परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इससे सुदूरतम क्षेत्रों में भी अच्छी संचार व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। भारत नेट फेज-2 के तहत देशभर में एक लाख 4जी नेटवर्क टावर लगाए जाएंगे। इन टावरों को मुख्य रूप से असंबद्ध क्षेत्रों में स्थापित करने की योजना है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुंबई में स्थित सह्याद्रि गेस्ट हाउस में आज संचार प्रणाली से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने भारत नेट के प्रथम चरण में अच्छा प्रदर्शन किया है। अब दूसरे चरण का क्रियान्वयन किया जा रहा है। केन्द्रीय संचार मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की शेष बची प्रत्येक ग्राम पंचायत तक संचार व्यवस्था स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मुंबई में बीएसएनएल और एमटीएनएल की संपत्तियों के संबंध में शहरी विकास विभाग, बृहन्मुंबई महानगरपालिका और केंद्रीय दूरसंचार विभाग के अधिकारियों की एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार गढ़चिरौली सहित राज्य के दूरस्थ और अति दूरस्थ क्षेत्रों में संचार व्यवस्था बनाने में केंद्र के साथ पूरा सहयोग करेगी। टावर के निर्माण के लिए गढ़चिरौली के सुदूर क्षेत्रों में पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि इस क्षेत्र में संचार प्रणाली अच्छी तरह से विकसित हो जाए तो यहां के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ना सुविधाजनक होगा। गढ़चिरौली सहित सुदूर क्षेत्रों में भी संचार व्यवस्था बनाई जा रही है। भारत नेट फेज-2 के तहत सरकार राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में संचार प्रणाली बनाने के लिए काम करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य इस चरण में भी देश में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, मुख्य सचिव सुजाता सैनिक, केंद्रीय दूरसंचार सचिव नीरज कुमार, बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि और अन्य उपस्थित थे।

गर्मी में राहत के लिए टीएमसी ने 25 स्थानों पर उपलब्ध कराया ठंडा पानी

मुंबई ■ एजेंसी

चैत्र माह में बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए ठाणे महानगरपालिका द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की मदद से महानगरपालिका क्षेत्र में 25 स्थानों पर सिंचाई योजनाएं शुरू की गई हैं। नगर निगम के साथ-साथ यस चैरिटेबल ट्रस्ट, जेवीएम चैरिटेबल फाउंडेशन और समर्थ भारत प्लेटफॉर्म ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इस पहल की शुरुआत मंगलवार को ठाणे स्टेशन पर सैंटीस पुल पर अंतर्गत स्थित एक जल फव्वारे के उद्घाटन के साथ की गई। साथ ही झुलसाती गर्मी से राहत देने के लिए 25स्थानों पर शीतल जल पेय की व्यवस्था टीएमसी द्वारा आज से की गई है।

शहर में बढ़ते शहरीकरण के कारण उत्पन्न गर्मी संकट को नियंत्रित करने के लिए पिछले वर्ष ठाणे के लिए एक व्यापक ताप प्रबंधन योजना तैयार की गई थी। यह योजना महाराष्ट्र सरकार, ठाणे नगर निगम और ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई है। तदनुसार, ठाणे महानगरपालिका भीषण गर्मी से निपटने के लिए सतर्क है और स्थिति की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार महानगर पालिका क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

आयुक्त सौरभ राव द्वारा दिए गए निर्देशानुसार पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर निगम क्षेत्र में सिंचाई शुरू कर दी गई है। ठाणे नगर निगम द्वारा की गई अपील के अनुसार, सीएसआर के माध्यम से जलापूर्ति सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन 25 स्थानों पर ठंडे पानी के बड़े जग और गिलास रखे गए हैं। मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने बताया कि संबंधित संस्था वहां प्रतिदिन स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करेगी। नगर निगम ने नागरिकों से भी इस सुविधा का लाभ उठाने तथा यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि जल बिंदुओं का उचित प्रबंधन हो तथा उन्हें स्वच्छ स्थिति में बनाए रखा जाए।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा

नक्सली मुख्य धारा में लौटें और समाज के साथ सकारात्मक योगदान दें

रायपुर ■ एजेंसी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति, बस्तर पंडुम महोत्सव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक भी गोली चलना नहीं चाहती। न ही केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार इस दिशा में हिंसा को बढ़ावा देना चाहती है। सरकार की मंशा है कि नक्सली मुख्य धारा में लौटें और समाज के साथ सकारात्मक योगदान दें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में देश की सबसे प्रभावी और उदार आत्मसमर्पण नीति लागू की गई है। इस नीति के तहत बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्य धारा में लौट रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर की संस्कृति, स्वाभिमान और गौरव को उजागर करने वाला 'बस्तर पंडुम' महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जो 2 अप्रैल से 5 अप्रैल तक चलेगा। इस महोत्सव में बस्तर की सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक नृत्य, गीत, लोक कला, आभूषण, परिधान और स्थानीय व्यंजनों की भव्य प्रस्तुति की जाएगी।अब बस्तर सामान्य होकर अपनी मूल संस्कृति को सहेज रहा है

इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास 'बस्तर के राम' विषय पर व्याख्यान देंगे, जिसमें भगवान श्रीराम और बस्तर के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला जाएगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी 4 अप्रैल की रात रायपुर पहुंचेंगे और 5 अप्रैल की सुबह दंतेवाड़ा प्रस्थान करेंगे। वहां वे माँ दंतेश्वरी के दर्शन करेंगे और बस्तर पंडुम महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे बस्तर के स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सुरक्षा बलों के कमांडरों और अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इसके उपरांत वे रायपुर लौटकर प्रशासनिक बैठक में भाग लेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कई गाँवों में पहली बार मतदान हुआ है और अनेक स्थानों पर पहली बार तिरंगा फहराया गया है।

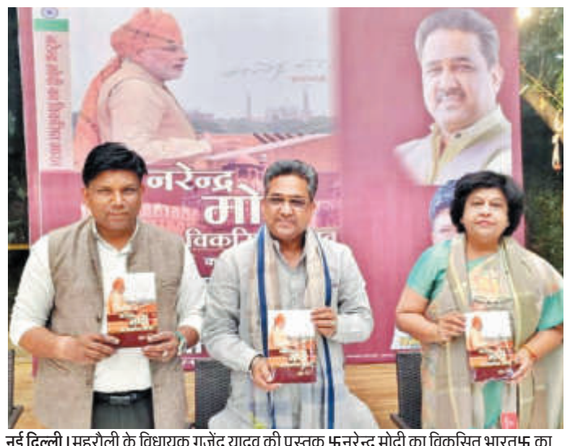

नई दिल्ली। महरौली के विधायक गजेंद्र यादव की पुस्तक 卐नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत卐 का मंगलवार को चाणक्यपुरी स्थित पीएसओआई क्लब में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने विमोचन किया। कार्यक्रम में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर, अमित अग्रवाल, वसंत कुंज फेडरेशन के चेयरमैन राजेश पंवार समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में छाये हैं विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। सबसे अधिक विकेट और रन बनाने वालों में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अनिकेत वर्मा ने 117 रन जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 137 रन बनाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में विदेशी खिलाड़ी छाये हुए हैं। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर अधिकतर विदेशी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन 145 रन बनाकर सबसे आगे हैं। वहीं ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर टाइटंस की ओर से खेलने वाले भारत के सुदर्शन हैं।

आईसीसी ने कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को सही करार दिया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर मैट कुहनेमन को संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से क्लीन चिट मिल गयी है। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में उनके एक्शन पर सवाल उठे थे। इस सीरीज में कुहनेमन ने 16 विकेट लिए थे। वहीं उन्हें संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की जांच में सही पाया गया। इसके बाद इस खिलाड़ी को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में प्लेयर ऑफ द सीरिज का अवार्ड मिला था। उन्होंने तब पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए थे। उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें सही पाया गया।

वॉर्न, कुंबले और चावला से प्रेरित हैं जीशान

नई दिल्ली। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे लेग स्पिनर जीशान अंसारी का कहना है कि वह शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था। उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है। जीशान को सनराइजर्स ने मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है।

आईपीएल में आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी

बेंगलुरू ■ एजेंसी।

आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3

सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के सटेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उसके पास क्रुणाल पंड्या और सुयांश शर्मा है जबकि गुजरात के पास स्टार स्पिनर राशिद खान और आर साइ किशोर हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। आरसीब की बल्लेबाजी विराट के आलावा फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल पर रहेगी। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना आरसीबी के लिये आसान नहीं रहेगा।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों

आरसीबी टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल।
गुजरात टाइटंस टीम : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कगिसो रबाडा, प्रिसिध कृष्णा।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई। उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली। हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर, एजेंसी। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर

टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

सेंट जोंस, एजेंसी। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं।

कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये।

नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

व्यापार समाचार

पूंजीगत व्यय में नहीं की गई कटौती, वित्त मंत्री बोलीं

वित्तीय वर्ष 26 में बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। वित्त मंत्री ने बताया है कि पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है। इस दौरान वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि भारत के बाद दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

पूंजीगत व्यय में कटौती नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे बढ़ाकर 11.21 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है और इसी वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी आनुपातिक वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, इस साल बजट में यह 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है।''

पूंजीगत व्यय के लिए ब्याज मुक्त 50 वर्षीय विशेष सहायता योजना के अंतर्गत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में आनुपातिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए, पूंजीगत व्यय में कटौती करना हमारे लिए संभव नहीं

है। सीतारमण वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

चिदंबरम ने वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये करने का कारण पूछा था। इसी तरह, उन्होंने बताया कि राज्यों को मिलने वाली विशेष सहायता को वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में 3,90,778 करोड़ रुपये से घटाकर 2,99,891 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र इस बात की निगरानी करता है कि राज्य पूंजीगत व्यय या किसी अन्य चीज के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब धन भेजा जाता है, तो मुझे तुरंत पता नहीं चलता कि इसका उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे समय बीतने के साथ, विभिन्न डिजिटल तरीकों से जब व्यय के लिए विशिष्ट नोडल खातों में धनराशि डाली जाती है, तो केंद्र को पता चलता है कि पैसा कहां खर्च हुआ।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत के पास दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि भारत 658.8 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। वित्त मंत्री ने कहा कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के लिए देश के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने सदस्यों को विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर उनकी चिंताओं से अवगत कराया।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहती हूं कि 25 मार्च, 2025 तक कुल विदेशी मुद्रा भंडार 658.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। किसी भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास जो विदेशी मुद्रा भंडार है, वह हमारे 11 महीने के आयात का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त है। वित्त मंत्री ने कहा, हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में थोड़ी गिरावट आई है, फिर भी आज स्थिति यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं।

ट्रंप की धमकियों के बीच सरकार ने किया टैरिफ का बचाव, मंत्री बोले

हम घरेलू उद्योगों की रक्षा चाहते

नई दिल्ली, निप्र। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा है कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं। मंत्री ने आगे क्या कहा, आइए जानें।

भारत की टैरिफ नीति का मकसद व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर कर लगाकर राजस्व पैदा करना है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में यह बात कही।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री प्रसाद ने कहा कि सरकार टैरिफ और भारत की आर्थिक वृद्धि पर उसके असर के बारे में नीति आयोग की ओर से हाल में दिए गए बयानों से अवगत है। प्रसाद ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि नीति आयोग का बयान आर्थिक विकास हासिल करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को अधिक आकर्षक खिलाड़ी बनाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार नीति आयोग के हाल के उस बयान से अवगत है जिसमें कहा गया है कि टैरिफ सुरक्षा से भारत को कोई लाभ नहीं है और आर्थिक विकास के लिए इसे टैरिफ कम करना जरूरी है। प्रसाद ने कहा कि भारत की टैरिफ नीति का उद्देश्य व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर करों के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करना है।

उन्होंने कहा, हालिया सुधारों में टैरिफ संरचना को सुव्यवस्थित करने और व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्री ने कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु लाइन पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते व्यापार परिदृश्य में भारत अधिक से अधिक मुक्त व्यापार समझौतों की ओर बढ़ रहा है। मंत्री ने बताया कि पीटीए/एफटीए सदस्यों के बीच पर्याप्त व्यापार पर सीमा शुल्क और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया जाएगा या समाप्त किया जाएगा। वर्तमान में भारत 13 एफटीए और नौ पीटीए का सदस्य है, इसके अलावा यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ओमान, न्यूजीलैंड और पेरू के साथ व्यापार वार्ता चल रही है। टैरिफ कम करने से, विशेष रूप से इनपुट और मध्यम मूल्य वर्ग के वस्तुओं पर मदद मिलती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया

नई दिल्ली। पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज

नई दिल्ली। इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ़ीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटरों से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है। इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं। सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में,उजागर हुआ है। 66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फ़ीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है। ऑपरेटर उस पर ध्यान नहीं देते हैं।

इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया।

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा। ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी।

इस नए बदलाव के साथ, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा।

लोगों को महंगाई की मार से मिलेगी राहत

एलपीजी गैस सिलेंडर हुआ सस्ता, 41 रुपये की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी की कीमतें वैट सहित स्थानीय करों के आधार पर हर राज्य में अलग-अलग होती हैं। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस की कीमत (14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर) में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। दरअसल, एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का एलान किया गया है। तंल कंपनियों की कीमतों में 41 रुपये की कटौती की गई है। महंगाई की मार के बीच इसे राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया है।

19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में आज से 41 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत आज से 1762 रुपये हो गई है।

पिछले दो महीनों का हाल: इससे पहले पिछले महीने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ था। तब यह दरें 25 रुपये बढ़ाई गई थीं। तब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक स्क्क्न सिलेंडर की खुदरा कीमत 1795 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थी। इससे भी पहले फरवरी में केंद्रीय आम बजट से पहले लोगों के लिए एक राहत भरी खबर आई थी। तब तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में सात रुपये की कटौती की थी। तब दिल्ली में इस सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत 1797 रुपये हो गई थी।

कीमतों में हुआ संशोधन

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर एटीएफ और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं।

माहेश्वरी समाज ने गणगौर पर्व पर निकाली शोभायात्रा, ढोल पर किया डांस

महिलाओं ने सिर पर सजाई ईसर-गौर की झांकी

रायसेन ■ निस

रायसेन में गणगौर पर्व का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज की महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा पहनकर पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने सिर पर ईसर-गौरा की प्रतिमाएं लेकर शोभायात्रा निकाली। इसके बाद मिश्र तालाब में विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई।

शोभायात्रा में महिलाओं ने किया डांस: मंगलवार शाम 5:30 बजे मुखर्जी नगर स्थित गुंजन राठी के निवास से शोभायात्रा की शुरुआत हुई, जो वार्ड 11 पटेल नगर से होते हुए प्राचीन मिश्र तालाब तक पहुंची। महिलाओं ने ढोल की थाप पर डांस किया।

महिलाओं ने ली सेल्फी: मिश्र तालाब पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद गणगौर का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सेल्फी भी लीं। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने बताया कि उनके घरों में बीते 16 दिनों से गणगौर की पूजा अर्चना की जा रही थी। महिलाओं ने बताया कि बीते 16 दिनों से शहर के लगभग हर घर में गणगौर की पूजा अर्चना की गई। उन्होंने बताया कि सुहागन महिलाएं पति की लंबी आयु और कुंवारी लड़कियां अच्छे वर की कामना के लिए गणगौर की पूजा अर्चना करती हैं।

महामाई मंदिर में नौ कुंडीय महायज्ञ शुरू

सिरोंज। सिरोंज के महामाई मंदिर में गुड़ी पड़वा से विद्या शतचंडी महायज्ञ का आयोजन शुरू हो गया है। यह नौ कुंडीय महायज्ञ प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक चल रहा है। महायज्ञ की पूर्णाहुति 7 अप्रैल को होगी। यज्ञाचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा के नेतृत्व में 11 अन्य ब्राह्मण इस महायज्ञ को संपन्न करा रहे हैं। प्रत्येक हवन कुंड पर अलग-अलग यज्ञमान पत्नी सहित बैठते हैं। लोक कल्याण के लिए किया जा रहा महायज्ञ पंडित शर्मा के अनुसार, इस यज्ञ का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याण और विश्व शांति है। यज्ञ में डाली जाने वाली आहुतियों में निश्चित मात्रा में जड़ी-बूटियां, शक्कर, तिल और जौ का प्रयोग किया जा रहा है।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेशोत्सव का आयोजन

प्रभारी मंत्री पंवार और विधायक चौधरी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ, छात्रों को मिलीं पाठ्य पुस्तकें

रायसेन, निप्र। रायसेन के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मंगलवार को स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार और सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मंत्री पंवार ने नई कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर और पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें भी वितरित की गईं। प्रभारी मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के सीएम राइज स्कूल अब महर्षि सांदीपनि के नाम से जाने जाएंगे।

कलेक्टर ने स्कूली दिनों के अनुभव साझा किए: सांची विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जितना आगे बढ़ेंगे, भविष्य उतना उज्जवल होगा। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने अपने स्कूली दिनों के अनुभव साझा किए। उन्होंने अपनी शिक्षक मां के समर्पण की कहानी भी सुनाई।

स्कूल चलें हम अभियान की जानकारी दी: कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने भी अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा किए। जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक ने स्कूल चलें हम अभियान की जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे

हिंदू संगठनों में आक्रोश, गौशाला पर विवादित बयान से बढ़ा विरोध

बजरंग दल ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला

विदिशा, निप्र। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला संबंधी विवादित बयान से हिंदू संगठनों में गहरा आक्रोश है। यादव ने कहा था कि जिन लोगों को दुर्गंध पसंद है, वे लोग गौशाला बनाते हैं। विदिशा में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने माधव गंज चौराहे पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया।

बजरंग दल के पदाधिकारियों का कहना है कि यह गौमाता का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति में गाय का विशेष महत्व है। गाय की सेवा और सुरक्षा करना सभी का दायित्व है।

हर व्यक्ति गाय का दूध पीकर बड़ा हुआ: पदाधिकारियों ने कहा कि हर व्यक्ति गाय का दूध पीकर बड़ा हुआ है। उन्होंने समाज में अशांति फैलाने वाले ऐसे लोगों का विरोध किया। साथ ही सपा कार्यकर्ताओं से भी आग्रह किया कि वे ऐसे नेताओं को वोट न दें। उन्होंने कहा कि जो हिंदू समाज और सनातन संस्कृति के साथ नहीं है, उनका साथ नहीं दिया जाना चाहिए।

वीएचपी का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

गंजबासौदा। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जयस्तंभ चौराहे पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। विरोध का कारण अखिलेश यादव का गौशालाओं पर दिया गया विवादित बयान है। यादव ने कहा था कि जिन लोगों को दुर्गंध पसंद है, वे गौशाला बनाते हैं। भारतीय गौवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद मध्य भारत प्रांत और विश्व हिंदू परिषद ने इस बयान को हिंदू धर्म और सनातन संस्कृति का अपमान बताया है।

बेतवा नदी किनारे मिला नवजात का शव, पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा शव

विदिशा। विदिशा में बेतवा नदी के चरण तीर्थ घाट पर मंगलवार सुबह एक नवजात शिशु का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का अनुमान है कि नवजात का शव नजदीकी क्षेत्र से कुत्ता खींचकर लाया हो सकता है। क्योंकि आसपास के इलाके में नवजात शिशुओं को दफनाने की प्रथा है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कुत्ता शव को खींचकर लाता तो शव क्षतिग्रस्त होता। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि किसी ने नवजात को नदी में फेंका हो।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन बावड़ी की सफाई की गई

रायसेन, निप्र। जल संरक्षण हेतु जिले के सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-04 स्थित प्राचीन बावड़ी की नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर सफाई की गई। इसी प्रकार गैरतगंज, बेगमगंज, गौहरगंज, बाड़ी, बरेली, सांची सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरचनाओं की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हुआ निराकरण

रायसेन, निप्र। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, विद्युत, पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज अग्निवंशी तथा श्रीमती अल्का सिंह एवं अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

न्यूतनम समर्थन मूल्य पर तुअर उपार्जन हेतु पंजीयन केन्द्र निर्धारित

रायसेन। विपणन वर्ष 2024-25 में प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर तुअर फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 25 मार्च 2025 से पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं जो कि 24 अप्रैल 2025 तक किए जाएंगे। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के आदेशानुसार जिले में किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए तुअर के उपार्जन हेतु किसान पंजीयन कार्य के लिए 10 पंजीयन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। जिनमें उदयपुरा तहसील अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था मर्यादित उदयपुरा, गैरतगंज तहसील अंतर्गत सेवा सहकारी समिति गैरतगंज, गौहरगंज तहसील अंतर्गत वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति मण्डीदीप, सुल्तानपुर तहसील अंतर्गत सेवा सहकारी समिति गोरखपुर तथा सिलवानी तहसील अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिलवानी में तुअर उपार्जन हेतु किसान पंजीयन केन्द्र स्थापित किए।

पुलिस पर अभद्रता का आरोप, देर रात संदिग्ध के घर में घुसे, दरवाजे पर लात मारी, टॉवल-बनियान में ले जाकर मारपीट

रायसेन, निप्र। रायसेन जिले के सिलवानी में पुलिसकर्मियों पर अभद्रता करने का आरोप लगा है। थाना क्षेत्र के ग्राम साईंखेड़ा में पुलिसकर्मियों ने एक घर में घुसकर अभद्रता की। इससे पहले पुलिसकर्मियों ने संदेही के घर के दरवाजे में लात मारी, यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे।

सिलवानी थाने के सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह कुशवाहा और चार अन्य पुलिसकर्मियों की यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। परिजनों ने बताया कि चोरी की बाइक घर रखी होने की बात कहकर सब इंस्पेक्टर कुशवाहा सिविल ड्रेस में बृजेश चौधरी के घर पहुंचे। उन्होंने गेट पर लात मारी और गाली-गलौज की।

टॉवल-बनियान में उठाकर ले गए, रातभर मारपीट की: आरोप है कि इसके बाद पुलिसकर्मी बृजेश सोते हुए से जगाकर टॉवल और बनियान में उठाकर ले गए। परिजन जब रात 3 बजे थाने पहुंचे, तो पता चला कि बृजेश को थाने नहीं लाया गया। उसे एक प्राइवेट रूम में ले जाकर रात भर मारपीट की गई।

परिजनों ने एसपी से की शिकायत: पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि सब इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों के हाथों में पाइप थे, वे गेट पर लात मार रहे थे। परिजनों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक पंकज पांडे मामले की शिकायत की है।

एसडीओपी अनिल सिंह मौर्य ने बताया: मामला संज्ञान में आया है, सीसीटीवी फुटेज की जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। चोरी की बाइक बृजेश राजपूत के यहां रखी होने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी।

रास्ते में बंद पड़ी एंबुलेंस, परिजनों ने लगाया धक्का, नहीं हुई चालू, मोटरसाइकिल पर प्रसुता को पहुंचाया अस्पताल

विदिशा, निप्र। विदिशा में ग्यारसपुर तहसील के एल्चा गांव में एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया। एंबुलेंस एक घंटे की देरी से पहुंची।

प्रसूता को लेकर जब एंबुलेंस हैदरगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में ही बंद पड़ गई। परिजनों ने एंबुलेंस को धक्का लगाया, लेकिन वो चालू नहीं हुई। मजबूरी में प्रसूता को मोटरसाइकिल पर बैठाकर अस्पताल ले जाना पड़ा। एंबुलेंस को धक्का मारकर स्वास्थ्य केंद्र के ग्राउंड तक पहुंचाया गया।

मेडिकल ऑफिसर बोले- जांच करेंगे: ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर टी एस मीना ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। टी एस मीना ने कहा कि एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने से मरीजों को परेशानी होती है। इससे नाराज परिजन स्वास्थ्य कर्मियों से अभद्र व्यवहार करते हैं।

आवास प्लस सर्वे कार्य अब 30 अप्रैल तक

विदिशा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस की सूची अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे के माध्यम से स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल हितग्राहियों के नाम जोडे जाने के लिए सर्वे कार्य की अवधि बढाई गई है तदानुसार अब 30 अप्रैल तक सर्वे कार्य पूर्ण कराया जा सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के संचालक द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री मण्डल द्वारा योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये मंजूरी प्रदान की गई।

भोजपुर मंदिर के पास दो बाघों का रेस्क्यू

एक पिंजरे में कैद हुआ, दूसरे को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा

रायसेन, निप्र। रायसेन के भोजपुर मंदिर के पास से दो बाघों का रेस्क्यू किया गया। वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने सोमवार पिंजरे लगाए थे। कल रात करीब 9 बजे एक बाघ पिंजरे में कैद हो गया। जबकि दूसरे बाघ को आज ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा गया। दोनों को चेकअप के बाद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। पिछले एक महीने से बाघों का इस एरिया में मूवमेंट था। दोनों 10 से ज्यादा मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। ग्रामीण दहशत के कारण खेतों में फसल नहीं काट पा रहे थे। भोजपुर, मंडीदीप और बंगरसिया आने-जाने के लिए जंगल से गुजरना पड़ता है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों को देर रात यहां से गुजरना पड़ता है। बाघों के मूवमेंट से ग्रामीण डर में जी रहे थे। इसी के चलते उन्होंने वन विभाग से बाघों के रेस्क्यू की मांग की। सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई।

सेडमैप द्वारा छात्राओं के उद्यमिता विकास एवं कौशल उन्नयन का द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

छात्राएं उद्यमिता और कौशल उन्नयन के क्षेत्र में हुई प्रवीण

विदिशा, निप्र। उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा छात्राओं के उद्यमिता विकास एवं कौषल उन्नयन केलिए द्वितीय बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक किया। प्रशिक्षणकार्यक्रम का समापन आज मंगलवार को किया गया। समापन समारोह में जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी के मुख्य आतिथ्य और महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती नीता पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 72 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्तमान समय में महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं को आवष्यकता है कि उद्यमिता के विषय में जानकारी प्राप्त करें। उद्यमिता को समझें और अपने पाठ्यक्रम में शामिल उद्यमीय प्रोजैक्ट्स को कुशलता से स्वयं तैयार कर सकें। उनके पास नौकरी के साथ एक और विकल्प हो अपना उद्योग स्थापित करने का। साथ ही वे अपनी स्किल का विकास कर कोई नया हुनर भी सीखें। इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने हेतु इस कार्यक्रम को डिजाईन किया गया था।

कार्यक्रम में व्याख्याता के रूप में वरिष्ठ परामर्षदाता , अटलबिहारी बाजपेयी सुशासन नीति विष्लेषण संस्थान भोपाल मनोज जैन, पूर्व वाईस प्रेसीडेंट, एमपीकॉन लि. एवं काउंसलर दिलीप महाशब्दे , प्राचार्य, एलबीएस महाविद्यायलय, गंज बासौदा डॉ. मणिमोहन मेहता, सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवंउद्योग केन्द्र श्रीमती जयंती कुमारी, मोहित तिवारी, सिटी मेजर एनयूएलएम प्रमुख थे। स्किल ट्रेनिंग श्रीमती माधुरी मालोडे द्वारा दी गई।

प्राचार्य श्रीमती नीता पाण्डेय ने बच्चों के उत्साह को सराहा और सेडमैप को उपयोगी सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। साथ ही विद्यार्थियों से आहवानकिया कि वे आगे आएं और बताएं कि प्रशिक्षण में और किस प्रकार के कौशल या ट्रेड पर प्रशिक्षणदिलवाया जाए। कार्यक्रम समन्वयन एवं संचालन सैडमैप के जिला समन्वयक दिनेश कुमार गावड़े द्वारा किया गया।

बच्चे अपना उद्यम लगाने के लिए प्रेरित हों

मुख्य अतिथि श्रीमती सुमन सोनी ने कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों के प्रोजैक्ट्स और प्रोजैक्ट वर्क की सराहना की और कहा कि यदि बच्चे अपना काम खुद शुरू करते हैं तो निश्चित ही अपने साथ और लोगों को भी रोजगार देंगे। तो हम चाहते हैं कि आप जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनें। हम चाहते हैं कि सेडमैप इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय में लगातार करता रहे ताकि बच्चे अपना उद्यम लगाने के लिए प्रेरित हों।

प्रॉपर्टी महंगी हुई, नए वित्तीय वर्ष में 50 प्रतिशत रजिस्ट्री और पानी के बिल में बढ़ोतरी

रायसेन, निप्र। रायसेन में मंगलवार से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं। जिसमें कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री दरों में वृद्धि की गई है। साथ ही नगर पालिका रायसेन ने जल कर में भी बढ़ोतरी की है। प्रति कनेक्शन मासिक शुल्क 180 रुपए से बढ़कर 200 रुपए हो गया है।

जिला पंजीयक रजनीश सोलंकी ने बताया कि 7 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में अचल संपत्ति की गाइडलाइन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने 29 मार्च को इसे मंजूरी दे दी। अब संपदा-2 से ही रजिस्ट्रियां होंगी, क्योंकि संपदा-1 को बंद कर दिया गया है।

प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री दरों में वृद्धि: शीतल गार्डन कॉलोनी में सबसे अधिक 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। दरगाह शरीफ क्षेत्र में 47 प्रतिशत, रामलीला मैदान में 35 प्रतिशत, गोपालपुर में 42 प्रतिशत, तालाब मोहल्ले में 40 प्रतिशत और शिवम नगर में 31 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वहीं राधा कृष्ण पुरम, ठाकुर मोहल्ला, श्रीजी बालाजी, गंजबाजार और कृषि फार्म क्षेत्र में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

नगर पालिका रायसेन ने जल कर में भी बढ़ोतरी की है। प्रति कनेक्शन मासिक शुल्क 180 रुपए से बढ़कर 200 रुपए हो गया है। शहर में कुल 7,344 वैध नल कनेक्शन हैं। नगर पालिका अब नई दरों से बिल बनाकर वसूली करेगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल । मो.9981502276, 27054436, 9826735596.भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) ।